आश्विन शुक्ल - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 82 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 15-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है, लोग उसके धोखे से हैं परिचित : नायब सिंह सैनी

6 कब भुखमरी एवं भूखे लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

7 'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम 3' दोनों फिल्में करेंगी अच्छा प्रदर्शन : कार्तिक

फर्स्ट टेक

उमर अब्दुल्ला आज लेंगे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ

श्रीनगर/एजेन्सी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अब्दुल्ला को सरकार बनाने और नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया है। उपराज्यपाल की ओर से अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा गया है कि शपथ ग्रहण समारोह 16 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में होगा। पत्र में कहा गया है, जैसा कि अलग से तय किया गया है, मैं आपको और आपके मंत्रिपरिषद के सदस्यों के रूप में शामिल होने के लिए आपके द्वारा अनुशंसित लोगों को 16 अक्टूबर 2024 को सुबह 11.30 बजे एसकेआईसीसी, श्रीनगर में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाऊंगा।

सर्दियां शुरू होने से पहले ही दक्षिणी यूक्रेन गांव पर कब्जा कर लिया : रूस

कीव/एपी। रूस ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिणी यूक्रेन के लेवाड्ने गांव पर कब्जा कर लिया है। रूस करीब 1000 किलोमीटर लंबी अग्रिम पंक्ति में अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। इनमें वे पूर्वी इलाके भी शामिल हैं जिन पर रूस सर्दियां शुरू होने से पहले कब्जा करने की कोशिश में जुटा है। इस बीच यूक्रेन के अधिकारियों ने सूचित किया कि करीब छह सप्ताह से रूस ने देश पर रात के वक्त 'शाहीद' ड्रोन हमले नहीं किये, जो युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार हुआ है। यूक्रेन ने पहले कहा था कि उसने रूस के क्रासनोडार क्षेत्र में एक ऐसे ठिकाने को निशाना बनाया था, जहां करीब 400 ड्रोन को कथित रूप से रखा गया था।

मुंबई से उड़ान भरने वाली तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई/भाषा। मुंबई से उड़ान भरने वाली वाली तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सोमवार को बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई, जबकि न्यूयॉर्क जाने वाली एअर इंडिया की एक उड़ान का मार्ग परिवर्तित कर उसे दिल्ली में उतार दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, एअर इंडिया की उड़ान के अलावा इंडिगो की मस्कट और जेद्दा जाने वाली दो उड़ानों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इंडिगो के विमानों को उड़ान भरने से पहले ही धमकियां मिल गईं और संबंधित विमानों को सोमवार सुबह सुरक्षा जांच के लिए अलग स्थान पर ले जाया गया।

15-10-2024 सूर्यास्त 5:49 बजे | 16-10-2024 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
81,973.05	25,127.95
(+591.69)	(+163.70)

सोना	चांदी
7,953 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति कटिबद्ध है सरकार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से सुरक्षित कर नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति कटिबद्ध है। शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। उन्होंने दिल्ली पुलिस को कई अभियान के तहत 13 हज़ार करोड़ रूपए मूल्य की ड्रग्स की ज़ब्ती, जिसमें गुजरात पुलिस के साथ मिलकर 5 हज़ार करोड़ रूपए की कोकीन की बरामदगी शामिल है, के लिए बधाई दी।

ड्रग्स के व्यापार पर हालिया सख्ती के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने 13 अक्टूबर को गुजरात के अंकलेश्वर में एक कंपनी में छापेमारी कर 518 किलोग्राम कोकेन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपये है।

इससे पहले एक अक्टूबर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में एक गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप जब्त की थी। जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलो अतिरिक्त कोकेन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान ये पता चला कि बरामद मादक पदार्थ गुजरात के अंकलेश्वर से आया था।

महाराष्ट्र में अमित शाह का फर्जी वीडियो दिखाने के मामले में कांग्रेस नेता पर मुकदमा दर्ज

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता अतुल लोंधे पर सोमवार को एक टेलीविजन समाचार चैनल पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो कथित तौर पर दिखाने के लिए मामला दर्ज किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस की जांच में उस समय पाया गया था कि इस वीडियो से छेड़छाड़ की गई थी। तेलंगाना में एक चुनावी रैली में मुसलमानों के लिए आरक्षण को समाप्त करने के बारे में शाह की टिप्पणियों को इस तरह से संपादित किया गया था ताकि ऐसा लगे कि वह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित सभी प्रकार के आरक्षण को समाप्त करने की वकालत कर रहे थे।

भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और अन्य अधिकारियों को वापस बुलाया

- सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से राजनयिकों को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने यह कार्रवाई की है।
- भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद को ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को कनाडा से अपने उच्चायुक्त और ''निशाना बनाए जा रहे'' अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने की घोषणा की। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से राजनयिकों को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने यह कार्रवाई की है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट व्हीलर्स को तलब करने के कुछ ही देर बाद फैसले की घोषणा की। व्हीलर्स को स्पष्ट रूप से संदेश दिया गया कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

भारत ने भारतीय उच्चायुक्त वर्मा के खिलाफ आरोपों को ''मनगढ़ंत'' और ''बेतुका'' बताते हुए इन्हें ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे से जुड़ा बताया, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को कल कनाडा से एक ''राजनयिक संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक मामले के सिलसिले में चल रही जांच की 'निगरानी' में हैं''।

विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कनाडा के प्रभारी राजदूत को तलब किया और उनसे कहा गया कि हिंसा और उग्रवाद के माहौल में ट्रूडो सरकार की कार्रवाइयों ने भारतीय राजनयिकों और अन्य अधिकारियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''हमें उनकी सुरक्षा की मौजूदा कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उच्चायुक्त और निशाना बनाए जा रहे अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है।''

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''यह भी सूचित किया गया है कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद को ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।''

कनाडा के छह राजनयिकों को भारत ने निष्कासित किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उच्चायुक्त और कुछ अन्य अधिकारियों को कनाडा से वापस बुलाने के कुछ घंटे बाद भारत ने सोमवार को कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने की घोषणा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के राजनयिकों को 19 अक्टूबर को रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। जिन राजनयिकों को निष्कासित किया गया है, उनमें कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, प्रथम सचिव मैरी कैथरीन जोली, और प्रथम सचिव लैन रॉस डेविड ट्राइट्स शामिल हैं। अन्य दो राजनयिक प्रथम सचिव एडम जेम्स चूइप्का और प्रथम सचिव पाउला ओरजुएला हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई, 'शूटरों' को दी गई थी उनकी तस्वीर

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश पुणे में रची गई थी और हमलावरों (शूटर) को लक्ष्य की पहचान के लिए एक तस्वीर और एक 'फ्लेक्स बैनर' मुहैया कराया गया था। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने 66 वर्षीय नेता की शनिवार रात हुई हत्या की जांच के दौरान साजिश में पुणे के प्रवीण लोणकर और उसके भाई शुभम लोणकर की कथित भूमिका का खुलासा किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या के पीछे का मकसद पता चल सकेगा।''

पुलिस ने लोणकर बंधुओं को इस अपराध में मुख्य आरोपी के रूप में पहचान की है। कथित तौर पर दोनों ने शूटरों को वित्तीय मदद दी, साजोसामान देने के साथ-साथ हमले के लिए बैठक करने की व्यवस्था की। प्रवीण, शुभम के स्वामित्व वाली एक डेयरी में काम करता था। डेयरी में ही उन्होंने शूटर शिवकुमार गौतम और धर्मराज कश्यप की भर्ती की। अधिकारियों ने बताया कि साजिश को कई बैठकों के बाद अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने कहा कि योजना के सफल क्रियान्वयन पर भारी भरकम भुगतान का वादा किया गया और शूटरों को 50,000 रुपये की अग्रिम राशि दी गई थी।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले में पुलिस तीसरे हमलावर की कर रही तलाश

मुंबई/भाषा। पुलिस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में वांछित तीसरे हमलावर की तलाश में मध्यप्रदेश के उज्जैन और खंडवा में पूजा स्थलों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी पर छह राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें से दो गोलियां उनकी छाती पर लगीं। यह घटना शनिवार रात 9:15 से 9:30 बजे के बीच निर्मल नगर में बाबा सिद्दीकी के विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर हुई। खंडवा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए हमलावरों ने पूछताछ में बताया है कि वे कुछ धार्मिक स्थलों पर गए थे। उन्होंने कहा कि इस बात की संभावना है कि फरार होने के दौरान आरोपी फिर से इन स्थानों पर जा सकते हैं।

लारेंस बिश्नोई के गिरोह को 24 घंटे में खत्म कर सकता हूं : पप्पू यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार से लोकसभा सदस्य पप्पू यादव ने कहा है कि वह लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह को '24 घंटे के भीतर खत्म कर सकते हैं'। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे बिश्नोई के होने का संदेह है।

पूर्णिया के सांसद ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने गोपालगंज में जन्मे सिद्दीकी को बिहार का बेटा कहा और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधा।

यादव ने कहा, यह देश है या हिजड़ों की फौज। एक अपराधी जेल में बैठ चुनौती दे लोगों को मार रहा है, सब मूकदर्शक बने हैं। उन्होंने कहा, कभी मूसेवाला, कभी करणी सेना के मुखिया, अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला। यादव ने कहा, कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में इस लारेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में महाजंगलराज वाई सिक्योरिटी सुरक्षा में सरकार समर्थक पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी जी की हत्या इसका शर्मनाक प्रमाण! बिहार के बेटे बाबा सिद्दीकी की हत्या अत्यंत दुःखद है, भाजपा गठबंधन सरकार अपने दल के इतने रसूख वाले नेताओं की रक्षा न कर पा रही है तो आमलोगों का क्या होगा?

अफ्रीका से लाए गए चीतों को जल्द ही जंगल में छोड़ा जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया में पहली बार एक महाद्वीप से ला कर दूसरे महाद्वीप में चीतों को बसाने की परियोजना के तहत अफ्रीका से भारत लाए गए चीतों को अक्टूबर के आखिर में चरणबद्ध तरीके से मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में छोड़ने की शुरुआत की जाएगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अग्नि-वायु नाम के चीतों को सबसे पहले पालपुर पूर्वी रेंज में छोड़ा जाएगा जबकि प्रभास-पावक को जंगल के दूसरे हिस्से में छोड़ा जाएगा। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल नर चीतों को छोड़ने की स्थिति में बाड़े के पास भीड़ होगी और उनमें संघर्ष हो सकता है।

बीएसएनएल जून 2025 तक 5जी नेटवर्क पर चली जाएगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल अगले साल मई तक एक लाख बेस स्टेशनों के जरिए देश में विकसित 4जी तकनीक को लागू करने का काम पूरा कर लेगी।

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी इसके बाद जून 2025 तक 5जी नेटवर्क पर चली जाएगी। उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच में कहा कि भारत 4जी में दुनिया के नक्शेकदम पर चला, 5जी में दुनिया के साथ चल रहा है और 6जी तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट हैं कि सरकारी कंपनी किसी और के उपकरण का इस्तेमाल नहीं करेगी।

सिंधिया ने कहा, ''अब हमारे पास एक प्रमुख और एक रेडियो एक्सेस नेटवर्क है, जो पूरी तरह से काम कर रहा है। हमारे पास अगले साल अप्रैल-मई तक एक लाख साइट की योजना है।

आंध्र प्रदेश में मंदिर समितियों में केवल हिंदूओं को ही नियुक्त किया जाए : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को कहा कि आंध्र प्रदेश में मंदिर समितियों में केवल 'हिंदू धर्म का पालन करने वाले' लोगों को ही नियुक्त किया जाना चाहिए और इन समितियों में कोई राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं होना चाहिए।

विहिप ने यह भी मांग की कि इन मंदिरों में केवल 'हिंदुओं' को कर्मचारियों के रूप में नियुक्त किया जाए और मंदिर के कर्मचारियों के रूप में नियुक्त 'गैर-हिंदुओं' को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया जाए।

विहिप ने एक बयान में कहा, ''नेता अपने चुनाव प्रचार के दौरान न सिर्फ यह कहते हैं कि वे धर्मनिरपेक्ष हैं और सभी धर्मों को समान मानते हैं बल्कि विभिन्न धार्मिक स्थलों में प्रार्थना कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं।''

इसमें कहा गया है, ''इस मामले में अगर मंदिर समितियों में राजनीतिक व्यक्ति है तो संभावना है कि वे हिंदुओं के कल्याण के बजाय अपनी धर्मनिरपेक्ष भावनाओं को प्राथमिकता देंगे।'' उन्होंने कहा, ''हिंदू मंदिर धर्मनिरपेक्ष केंद्र नहीं हैं। वे आध्यात्मिक हिंदू धार्मिक केंद्र हैं और उनकी समितियों में केवल हिंदुओं को होना चाहिए।''

विहिप ने कहा कि मंदिर समितियों में धार्मिक संगठनों, हिन्दू, अध्यात्मवादियों और 'धर्माचार्यों' के प्रतिनिधि होने चाहिए। उसने मांग की कि दक्षिणी राज्य की सरकार उचित संशोधनों के साथ तत्काल आदेश जारी करे।

विहिप कहा, ''विश्व हिंदू परिषद मांग कर रही है कि मंदिर समितियों में कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं होना चाहिए। मंदिर समितियों में केवल हिंदू धर्म का पालन करने वाले को ही नियुक्त किया जाना चाहिए।''

विहिप ने यह भी कहा कि केवल 'अभ्यास करने वाले हिंदुओं' को ही मंदिरों में कर्मचारियों के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दल-सार

राजनीति में सब दल का,
लगभग समान होता चरित्र।
सत्ता लोभी कुर्सी जुगाड़ु,
अवसरवादी हैं सभी मित्र।
नायक हैं जिनके दूध धुले,
जनहितकारी सद्चे पवित्र।
सबकी आदर्श संहिताएं,
जिनमें होते हैं कईं छिद्र।।

हिजबुल्ला के गढ़ से दूर उत्तर लेबनान में इजराइल के हमले में कम से कम 18 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बला/एपी। उत्तर लेबनान में सोमवार को हुए एक इजराइली हवाई हमले में कम से कम 18 लोग मारे गए हैं। लेबनान के रेड क्रॉस ने यह जानकारी दी।

यह हमला सोमवार को ऐतो गांव में एक छोटे से अपार्टमेंट पर किया गया जो देश के दक्षिण और पूर्व में हिजबुल्ला चरमपंथी समूह के प्रभुत्व वाले इलाकों से दूर है।

इजराइल की सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई और यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हमले में किसे निशाना बनाया गया।

इससे कुछ घंटे पहले गाजा पट्टी में एक अस्पताल परिसर पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और हमले के चलते युद्ध से विस्थापित लोगों के लिए बनाए गए एक शरणार्थी शिविर में आग लग जाने से कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। फलस्तीनी चिकित्सकों ने यह जानकारी दी।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने नागरिकों के बीच छिपे आतंकवादियों को निशाना बनाया था। हालांकि उसने कोई सबूत नहीं दिया।

हाल के महीनों में इजराइल ने कई बार भीड़ वाले शरणार्थी शिविरों और तंबुओं में बनाए गए शिविरों पर हमला किया है और आरोप लगाया है कि हमास के लड़ाके हमलों के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

पाकिस्तान, चीन ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए, ग्वादर हवाई अड्डे का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ आपसी और क्षेत्रीय हितों के मुद्दों पर चर्चा की।

इस दौरान दोनों पक्षों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए और बीजिंग द्वारा वित्तपोषित ग्वादर हवाई अड्डे का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया।

वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करती हैं कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियां : दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करती हैं कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियां : दास

नई दिल्ली/भाषा। बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग (एआई-एमएल) पर अत्यधिक निर्भरता से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को कहा कि ऋणदाताओं को बड़ी प्रौद्योगिकी (बिगटेक) की खूबियों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई और एमएल जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रगति ने वित्तीय संस्थानों के लिए कारोबार और लाभ विस्तार के नए रास्ते खोले हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये प्रौद्योगिकियां वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करती हैं।

यहां केंद्रीय बैंक द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, एआई पर भारी निर्भरता से संकेन्द्रण जोखिम पैदा हो सकता है, खासकर तब जब बाजार पर कम संख्या में प्रौद्योगिकी प्रदाताओं का

दबदबा हो। इससे प्रणालीगत जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि इन प्रणालियों में विफलता या व्यवधान पूरे वित्तीय क्षेत्र में फैल सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के बढ़ते उपयोग से नई कमज़ोरियां सामने आती हैं। इससे साइबर हमलों और डेटा उल्लंघन का जोखिम बढ़ता है।

इसके अलावा, एआई की अस्पष्टता के कारण निर्णय लेने वाले एल्गोरिदम का ऑडिट करना या व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है। इससे अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम बचाव उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक का लाभ उठाना चाहिए और बिगटेक को उनपर हावी नहीं होने देना चाहिए।

वित्तीय सेवाओं के बढ़ते डिजिटलीकरण ने दुनियाभर में वित्तीय क्षेत्र की दक्षता को बढ़ाया है, लेकिन साथ ही कई चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनसे केंद्रीय बैंकों को निपटना होगा।

डिजिटलीकरण के जोखिम के बारे में बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि आधुनिक दुनिया में सोशल मीडिया की गहरी उपस्थिति और ऑनलाइन बैंकिंग तक व्यापक पहुंच के साथ सेकंड में धन हस्तांतरण के कारण अफवाहें और गलत सूचनाएं बहुत तेजी से फैल सकती हैं और इससे नकदी संकट पैदा हो सकता है।

हैदराबाद : मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त, केंद्रीय मंत्री ने की जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के सिकंदराबाद में सोमवार को एक मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त पाए जाने के बाद तनाव पैदा हो गया। बड़ी संख्या में लोग पूजा स्थल परिसर के पास एकत्र हो गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे हिंदू समुदाय का ''अपमान'' करार दिया।

शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक व्यक्ति मुथ्यलम्मा मंदिर में घुसा और मूर्ति को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के संबंध में आरोपी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। अधिकारी ने कहा, ''सीसीटीवी फुटेज के अनुसार मंदिर में केवल एक व्यक्ति ही घुसा था। हमें जानकारी मिली कि मंदिर में मूर्ति को उसके स्थान से उठाने के बाद उसे आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। कुछ स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो उस व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।''

पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने व्यक्ति की कथित तौर पर पिटाई की और उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि वे घटना के मकसद का पता लगाने की प्रक्रिया में हैं तथा आगे की जांच जारी है। मंदिर के पास बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाए। रेड्डी ने मुथ्यलम्मा मंदिर का दौरा किया और घटना की गहन जांच की मांग की। रेड्डी ने दावा किया, ''आज तड़के मुस्लिम समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति ने मंदिर में घुसकर प्राचीन मुथ्यलम्मा मंदिर की मूर्तियों को तोड़ने और नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। माता की मूर्ति को उठाने के बाद उसने उसे भी नष्ट करने का प्रयास किया।''

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि शहर में नवरात्रि के दौरान हिंदू विरोधी ताकतों द्वारा विभिन्न मंदिरों और पंडालों में देवी दुर्गा की मूर्तियों को ''नष्ट'' करने की कई घटनाएं राज्य सरकार की लापरवाही तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उसकी विफलता को दर्शाती हैं। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय लोगों के साथ मिलीभगत करके कुछ लोग जानबूझकर हैदराबाद में तनाव पैदा करने और सांप्रदायिक दंगे कराने के लिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं।

गुजरात भारत को 2047 तक विकसित बनाने की पहल का नेतृत्व करेगा : मुख्यमंत्री पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को कहा कि 'अमृतकाल' में देश का विकास इंजन बन कर उनका राज्य 2047 तक भारत को विकसित बनाने की पहल का नेतृत्व करेगा।

पटेल ने यह टिप्पणी तत्कालीन मुख्यमंत्री (अब प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान गुजरात में हुए विकास के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'विकास सप्ताह' के तहत दो हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए की।

मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इसके बाद से देश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हैं। गुजरात सरकार ने हाल में घोषणा की कि वह सात अक्टूबर 2001 को नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के उपलक्ष्य में हर साल इस तारीख से एक सप्ताह तक 'विकास सप्ताह' मनाएगी। पटेल ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने हमें यह दिखा कर प्रेरणा दी कि एक व्यक्ति भी कितना कुछ कर सकता है।''

पटेल ने गुजरात के तीन चरणों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि पहला चरण 1960 में राज्य के गठन से 2001 तक का है जब उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। दूसरा चरण मोदी के नेतृत्व का रहा जब गुजरात ने परिवर्तनकारी बदलाव देखे। उन्होंने कहा, ''तीसरा चरण अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। अगले 23 साल में जब हम मोदी के 'विकसित भारत' के वादे को पूरा करने के लिए काम करेंगे। इसके लिए हमें गुणवत्तापूर्ण काम की जरूरत है। वित्तीय रूप से, गुजरात का पहला स्थान है क्योंकि मोदी ने मजबूत नींव रखी है।''

पटेल ने कहा, ''मैं आश्वस्त हूं कि 2047 तक हम विकसित भारत के लक्ष्य को विकसित गुजरात के जरिये प्राप्त कर लेंगे और गुजरात भारत को विकसित बनाने में अग्रिम होगा। मुझे भरोसा है कि 2047 तक गुजरात विकसित भारत के लिए बड़ी बढ़त हासिल करेगा। गुजरात देश का विकास इंजन है और बना रहेगा।''

पटेल ने कहा कि मोदी ने गुजरात और यहां के लोगों को संकट और चुनौतियों को अवसर में बदलने की संस्कृति दी है। उन्होंने कहा कि मोदी हमें किसी भी तरह की परिस्थिति से उबरने और प्रगति जारी रखने की प्रेरणा देते हैं।

पटेल ने कहा कि जब दुनिया हरित ऊर्जा की बात कर रही थी तब बतौर मुख्यमंत्री मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा को व्यवस्थित तरीके से प्रोत्साहित किया और आज राज्य के पास कच्छ में विशालतम नवीकरणीय ऊर्जा पार्क है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में नर्मदा नदी का पानी उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ के इलाके तक पहुंचा और इससे पूरे राज्य में वृहद पैमाने पर बदलाव आया।

पटेल ने अपने संबोधन में कहा, ''यह हमारे लिए प्रेरणा का विषय है कि एक व्यक्ति कितना कुछ हासिल कर सकता है। उन्होंने (गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने) हर योजना को आम आदमी को केंद्र में रखकर तैयार किया। उन्होंने हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।''

आंध्र प्रदेश में रोजगार सृजन राजग सरकार का प्राथमिक उद्देश्य : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरवाती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि रोजगार सृजन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का प्राथमिक उद्देश्य है और औद्योगिक नीतियां इसके अनुरूप ही होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग), खाद्य प्रसंस्करण और निजी औद्योगिक पार्क मसौदा नीतियों की समीक्षा करते हुए कहा कि नई नीतियां ऐसी हों, जिससे निवेशक और उद्योगपति आकर्षित हों ताकि 'व्यापार बढ़ाने' का मार्ग प्रशस्त हो।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक नायडू ने कहा, ''रोजगार सृजन (राजग) गठबंधन सरकार का प्राथमिक उद्देश्य है और औद्योगिक नीतियां इस उद्देश्य के अनुरूप होनी चाहिए।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, निजी औद्योगिक पार्क नीति पर कुछ और विचार-विमर्श की आवश्यकता है तथा अन्य तीन नीतियों को मंत्रिमंडल की अगली बैठक में भेजा जा सकता है। नायडू ने विश्वास व्यक्त किया कि नई नीतियों में बड़े निवेश को आकर्षित करने की गुंजाइश है और इन्हें आठ विभागों के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने दक्षिणी राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के हिस्से के रूप में कहा कि औद्योगिक विकास नीति को लागू करने के तुरंत बाद निवेश करने के लिए आगे आने वाले निवेशकों को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसौदा नीति में उन पहली 200 कंपनियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की बात कही गयी है, जो अपनी योजना और वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख मुहैया कराएंगी। नायडू ने कहा कि जो कंपनियां अधिक संख्या में रोजगार सृजन करेंगी, उन्हें 10 प्रतिशत अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई नीति 'एक परिवार एक उद्योगपति' की तर्ज पर होनी चाहिए। नायडू ने कहा अमरावती में 'इनोवेशन हब' का नाम टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन दिवंगत रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा।

खुदरा महंगाई दर सितंबर में बढ़कर नौ माह के उच्चस्तर 5.49% पर

नई दिल्ली/भाषा। सब्जियों के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई सितंबर महीने में बढ़कर नौ महीने के उच्चस्तर 5.49 प्रतिशत पर पहुंच गयी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने अगस्त में 3.65 प्रतिशत जबकि बीते वर्ष के सितंबर माह में 5.02 प्रतिशत थी। इससे पहले दिसंबर, 2023 में यह 5.69 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई सितंबर महीने में उछलकर 9.24 प्रतिशत हो गयी जो इससे पिछले महीने अगस्त में 5.66 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने में 6.62 प्रतिशत थी।

महायुति सहयोगियों के बीच लगभग 230 सीटों पर सहमति बनी : प्रफुल्ल पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

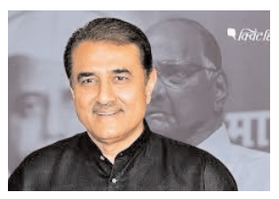

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को कहा कि सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन के सहयोगियों के बीच महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से लगभग 230 सीट पर आम सहमति बन बई है।

पटेल ने संवाददाताओं से कहा, ''हम 225 से 230-235 सीटों पर आम सहमति पर पहुंच गए हैं। बाकी सीटों पर अंतिम फैसला होने के बाद हम आपको (मीडिया को) अगले दो से चार दिनों में बता देंगे।'' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को 'महायुति' गठबंधन में दरार की खबरों और राज्य मंत्रिमंडल की बैठक से उनके जल्दी निकलने की अटकलों पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था, ''सब ठीक है।''

महायुति में अजित पवार नीत राकांपा, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना शामिल है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है।

न्यायालय ने संपत्तियों के ध्वस्तीकरण मामले में नई याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को देश के विभिन्न राज्यों में संपत्तियों के कथित ध्वस्तीकरण से संबंधित किसी नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा की पीठ याचिका पर सुनवाई करने की इच्छुक नहीं थी, जिसके बाद याचिकाकर्ताओं के वकील ने इसे वापस ले लिया।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा कि उसने हाल में उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा है, जिसमें यह दलील दी गई है कि कई राज्यों में अपराध के आरोपी व्यक्तियों की संपत्तियों सहित अन्य संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है।

पीठ ने कहा, ''इस पर पहले ही फैसला हो चुका है।''

डीजल में 15 प्रतिशत एथनॉल मिलाने पर शोध उन्नत चरण में : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि डीजल में 15 प्रतिशत एथनॉल मिलाने को लेकर शोध का काम उन्नत चरण में है और सरकार ठोस प्रमाण के आधार पर इसे प्राथमिकता देने के तरीके तलाश रही है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के जैव ऊर्जा शिखर सम्मेलन-2024 को संबोधित करते हुए गडकरी ने बताया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एथनॉल मिश्रण 2014 के 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 15 प्रतिशत हो गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि इस प्रगति से प्रेरित होकर सरकार ने 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल ने 400 एथनॉल पंप स्टेशन लगाने का फैसला किया है। ''हम सुजुकी, टाटा और टोयोटा सहित वाहन निर्माताओं से भी मिल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन वाहन निर्माताओं ने फ्लेक्स-इंजन वाली कारें पेश करने का फैसला किया है।'' मंत्री के अनुसार, टीवीएस, बजाज और होंडा जैसी अन्य वाहन निर्माता कंपनियां एथनॉल बाइक के साथ तैयार हैं और अपनी बाइक पेश करने के लिए एथनॉल पंप के आने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश 'ज्ञान से धन' के युग से 'कचरे से धन' के युग की ओर बढ़ गया है। सीएनजी के बारे में, मंत्री ने कहा, ''सीएनजी में 475 से अधिक परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, और पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में 40 से अधिक परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं।'' गडकरी ने नगरपालिका के ठोस कचरे को बायो-सीएनजी में बदलने की आगे की तकनीकों की खोज करने की जरूरत पर जोर दिया। इसमें कच्चे माल की लागत शून्य हो जाती है। गडकरी ने कहा, ''हम फिलहाल पराली का पांचवां हिस्सा इस्तेमाल कर पाते हैं, लेकिन अगर हम सही तरीके से योजना बनाएं तो अगले कुछ साल में पराली से होने वाले मौसमी वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान कर सकते हैं।''

हीरा प्राकृतिक है, या प्रयोगशाला में बना है, व्यापारियों के लिए बताना अनिवार्य हो : जीजेईपीसी

नई दिल्ली/भाषा। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार से कड़े नियम बनाने का आग्रह किया है, जिसमें व्यापारियों को विपणन करते समय यह स्पष्ट रूप से बताना अनिवार्य किया जाए कि हीरा प्राकृतिक है या प्रयोगशाला में तैयार किया गया है, ताकि किसी तरह की अस्पष्ट स्थिति से बचा जा सके।

उपभोक्ता मामलों के विभाग को भेजे गए पत्र में परिषद ने कहा है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करना और स्पष्ट एवं मानकीकृत दिशानिर्देशों को लागू करना उपभोक्ताओं की सुरक्षा और घरेलू उद्योग की अखंडता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उसे बताया गया कि भारत में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हीरों के विपणन और विज्ञापन में शब्दावली का व्यापक दुरुपयोग हो रहा है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को हल करने के लिए परिषद ने ''अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) दिशानिर्देशों को अपनाने का पक्ष लेने का निर्णय लिया है।

''ये दिशानिर्देश स्पष्ट रूप से परिभाषित, मानकीकृत नामकरण करते हैं और प्राकृतिक और प्रयोगशाला में तैयार किये गए दोनों हीरों के लिए अनिवार्य खुलासा जरूरतों को जरूरी बनाते हैं।'' हीरा उद्योग पहले से ही रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण समस्याओं का सामना कर रहा है, क्योंकि इसने वैश्विक हीरा आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। रूस पर प्रतिबंधों के साथ, जो एक प्रमुख कच्चा हीरा उत्पादक है, व्यापार को और अधिक जटिल बना रहा है और इससे वैश्विक हीरा व्यापार प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ता का झुकाव प्रयोगशाला में तैयार किये गए हीरों की ओर मुड़ने से प्राकृतिक हीरों की मांग प्रभावित हो रही है।

विपक्षी दलों के सदस्यों ने वक्फ पर संसदीय समिति की बैठक का किया बहिष्कार

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों के कई सदस्यों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति की बैठक का बहिष्कार करते हुए आरोप लगाया कि समिति नियम-कानून के अनुसार काम नहीं कर रही है। कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के ए राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के असदुद्दीन ओवैसी, सपा के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह जैसे विपक्षी सांसद बैठक से बाहर निकल गए व इसकी कार्यवाही को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं।

मणिपुर: प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सात सदस्य गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक के. शिवकांत सिंह ने बताया, ''लैंगोल गेम गांव में कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोंगद्रेनखोम्बा) के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया और एक महिला सहित संगठन के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया।''

कांग्रेस ने धान खरीद में देरी को लेकर केंद्र, पंजाब सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने धान की फसल के भंडारण के बढ़ते संकट को लेकर सोमवार को केंद्र और पंजाब की भगवंत मान नीत आप सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने की पूर्व नियोजित साजिश है।

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मान पर निशाना साधा जिन्होंने सोमवार को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। बाजवा ने कहा कि हर साल एक अक्टूबर से खरीद शुरू होने के बावजूद मान अपनी ''नींद'' से देर से जागे हैं। बाजवा ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पंजाब की मुख्य नकदी फसल धान है। पंजाब में धान का उत्पादन 180-185 लाख मीट्रिक टन है, जिसमें से 99 प्रतिशत चावल केंद्रीय पूल और जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) में जाता है।'' उन्होंने कहा कि यह समस्या पिछले साल भी आई थी, जब पंजाब का चावल यहां के गोदामों में पड़ा था। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हर साल एक अक्टूबर से खरीद शुरू होती है, लेकिन 14 दिन बीत जाने के बाद भी केवल पांच लाख मीट्रिक टन चावल ही आ पाया है। बाजवा ने कहा, ''मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि भगवंत मान को छह महीने पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जोशी से मिलना चाहिए था, क्योंकि हमारे गोदाम भरे हुए हैं और उनकी क्षमता पांच प्रतिशत भी नहीं है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''...उन्होंने (मान ने) कहा है कि जोशी ने आश्वासन दिया कि पुराने गोदाम तब खाली किए जाएंगे जब ऐसे गोदामों में चावल का भंडार एक लाख मीट्रिक टन हो जाएगा। चार महीने में गोदाम खाली नहीं किए जा सकते, भले ही पूरा रेलवे लगा दिया जाए।''

बिजली मांग पूरा करने को 2047 तक 2,100 मेगावाट उत्पादन क्षमता की जरूरत: मनोहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि देश में बिजली की मांग 2047 तक बढ़कर 708 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है और इस बढ़ती मांग पूरा करने के लिए विद्युत उत्पादन क्षमता उस समय तक चार गुना बढ़ाकर 2,100 मेगावाट करने की जरूरत है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक भारत की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 453 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) थी, जबकि इस वर्ष अधिकतम बिजली मांग 250 गीगावाट के आसपास रही। मंत्री ने '2047 तक भारतीय विद्युत क्षेत्र परिदृश्य पर विचार-मंथन सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारा अनुमान है कि 2047 तक बिजली की मांग 708 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। इसे पूरा करने के लिए, हमें अपनी क्षमता को चार गुना यानी 2,100 गीगावाट तक बढ़ाने की जरूरत है।'' इस दो दिन के सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग मंडल फिक्की के सहयोग से किया। सम्मेलन में फिक्की के पूर्व अध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने कहा कि देश का बिजली क्षेत्र 2070 तक स्वच्छ ऊर्जा में बदलाव के लिए व्यापक अवसर प्रस्तुत करता है। इस क्षेत्र में वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं। इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज के प्रबंध निदेशक पांडा ने कहा, ''स्थानीय विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने से नवोन्मेष के लिए नये रास्ते खुलेंगे। आईएसटीएस (अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली) छूट को बढ़ाये जाने और बिजली पारेषण प्रणाली को मजबूत करने से क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे निवेशकों और कंपनियों के लिए कई अवसर बनेंगे।'' मनोहर लाल ने संबंधित पक्षों के परामर्श से तैयार राष्ट्रीय विद्युत योजना (ट्रांसमिशन) भी पेश की। इसमें 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लिए आवश्यक पारेषण संबंधित बुनियादी ढांचे का विवरण दिया गया है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के 2032 तक 600 गीगावाट से अधिक हो जाने का अनुमान है। अगले दशक में 1,90,000 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइन को जोड़ने की योजना है।

सुरक्षित दरभंगा पहुंचे दुर्घटनाग्रस्त 'बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस' के यात्री, प्रशासन का जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दरभंगा। तमिलनाडु में दुर्घटनाग्रस्त हुई 'बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस' के यात्रियों को एक स्पेशल ट्रेन से सोमवार सुबह दरभंगा पहुंचा दिया गया। यात्रियों ने अपने साथ हुए हादसे की पूरी घटना बताई और मदद करने के लिए रेलवे का आभार जताया। शुक्रवार को मैसूर से दरभंगा आने वाली 'बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस' ट्रेन, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। यहां के कवरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन एक मालगाड़ी से टकरा गई थी, जिसमें कई यात्री घायल हो गए थे। अब हादसे के बाद स्पेशल बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस सोमवार की सुबह यात्रियों को सुरक्षित लेकर दरभंगा पहुंची तो उनके चेहरे पर खुशी देखी गई।

हादसे में घायल हुए यात्री सुनील कुमार ने बताया कि हादसे के वक्त वो खाना खाकर आराम कर रहे थे। तभी अचानक तेज झटका लगने से वो नीचे गिरकर बेहोश हो गए थे। अन्य लोगों ने उनको ट्रेन से बाहर निकाला और मेडिकल टीम ने उनका इलाज किया। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद काफी लोगों को चोटें आई थी और ट्रेन के बाहर की स्थिति डरावनी लग रही थी। ट्रेन का एक डिब्बा, दूसरे डिब्बे पर चढ़ा हुआ था। ट्रेन हादसे में उनका सारा सामान खो गया। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि ट्रेन हादसे के बाद हम लोग बहुत घबरा गए और रो रहे थे। हम लोगों को कुछ नहीं हुआ, लेकिन एसी कोच में भीषण आग लगी थी। वहां पर बहुत अफरातफरी मची थी। उन्होंने बताया कि मेरे पास दो बच्चे और बहुत सारा सामान था, जिससे परेशानी काफी बढ़ गई थी। हादसे के बाद वहां के लोगों ने हमारी बहुत मदद की। यात्रियों ने बताया गया कि हादसे में घायल लोगों को चेन्नई के अस्पताल के भर्ती कराया गया है और जो यात्री सुरक्षित थे, उन्हें स्पेशल बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस द्वारा चेन्नई से दरभंगा लाया गया है।

बता दें कि बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मौके पर रेलवे, पुलिस और फायर विभाग के आला अधिकारी पहुंचे थे। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। राहत की बात रही कि ट्रेन हादसे में किसी की जान नहीं गई।

दक्षिण रेलवे ने कावराईपेट्टई में मरम्मत कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा किया

सामान्य यातायात चरणबद्ध तरीके से बहाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत 11 अक्टूबर को कावराईपेट्टई में मैसूर-दरभंगा बागमती एक्सप्रेस और एक खड़ी मालगाड़ी के बीच हुई पीछे की टक्कर के कारण रात्रि 20.30 बजे से चेन्नई-गुम्मिडीपुंडी सेक्शन में मेल/एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। बागमती एक्सप्रेस के 10 डिब्बे और मालगाड़ी के 2 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, हालांकि कुछ यात्रियों को मामूली फ्रैक्चर और चोटें आईं, और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। 7 घायल यात्रियों को नियमानुसार अनुग्रह राशि दी गई।

चेन्नई-गुम्मिडिपंडी सेक्शन में रेल यातायात बाधित रहा। सेक्शन से गुजरने वाली करीब 20 मेल/एक्सप्रेस सेवाएं रद्द कर दी गईं, 60 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित/विनियमित/पुनर्निर्धारित किया गया। चेन्नई उपनगरीय सेवाएं चेन्नई-गुम्मिडिपंडी सेक्शन में निलंबित कर दी गईं और मिंजुर तक ईएमयू स्पेशल चलाई गईं और दूसरी तरफ सुलुरुपेटा से गुम्मिडिपंडी तक चलाई गईं।

त्वरित बचाव एवं राहत कार्य

दक्षिण रेलवे ने राज्य और जिला प्रशासन तथा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर बचाव कार्य तेजी से शुरू किया। यात्रियों की सहायता करने और बचाव कार्य करने के लिए 500 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया। आधुनिक उपकरणों और चिकित्सा सुविधाओं से लैस दक्षिण रेलवे की दुर्घटना राहत ट्रेनें पास के टोंडियारपेट यार्ड से लाई गईं। बागमती एक्सप्रेस के फंसे हुए यात्रियों को बसों के ज़रिए पोन्नेरी जैसे नज़दीकी स्टेशनों पर पहुँचाया गया, जहाँ पाँच मेडिकल टीमें तत्काल मदद के लिए मौजूद थीं। फंसे हुए यात्रियों को डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल तक पहुँचाने के लिए विशेष ईएमयू सेवाओं की व्यवस्था की गई। डॉ एमजीआर सेंट्रल पर पहुंचने वाले यात्री के लिए विशेष सहायता डेस्क ने यात्रियों की मदद की।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पर एंबुलेंस के दुरुपयोग के आरोपों की पुलिस ने जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। पुलिस ने केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पर लगे इस आरोप के संबंध में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है कि उन्होंने इस साल अप्रैल में त्रिशूर पूरम उत्सव के दौरान एक एंबुलेंस का दुरुपयोग किया था। पुलिस के एक सूत्र ने सोमवार यह जानकारी दी। पुलिस ने भाकपा के एक नेता की शिकायत के आधार पर केंद्रीय पर्यटन एवं पेट्रोलियम राज्य मंत्री के खिलाफ जांच शुरू की। इस संबंध में एक पुलिस सूत्र ने कहा कि प्रारंभिक जांच का उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि लोकसभा चुनाव से पहले हुई इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पर्याप्त आधार है या नहीं। सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शिकायत प्रारंभिक जांच के लिए त्रिशूर शहर के सहायक पुलिस आयुक्त को भेज दी गई है।

पूरम उत्सव के बाद हुए चुनाव में गोपी ने भाजपा के टिकट पर त्रिशूर लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों-भाकपा के वीएस सुनील कुमार तथा कांग्रेस के के मुरलीधरन को हराया था। स्थानीय भाकपा नेता द्वारा दायर की गई शिकायत में दावा किया गया है कि तिरुवंबडी गुट द्वारा त्योहार को अस्थायी रूप से रोके जाने के बाद गोपी सेवा भारती की एंबुलेंस में पूरम मैदान पहुंचे। इसमें आरोप लगाया गया है कि चिकित्सीय आपात स्थिति के लिए उपयोग की जाने वाली एंबुलेंस का इस्तेमाल गैर-चिकित्सा उद्देश्यों के लिए किया गया। इसके अतिरिक्त, शिकायत में कहा गया है कि गोपी एक प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंचे, जहां अन्य वाहन प्रतिबंधित थे। इस साल का पूरम उत्सव कथित तौर पर पुलिस के हस्तक्षेप और विवादों के कारण बाधित हुआ था। केरल सरकार ने त्रिस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें मामले में पुलिस की कथित भूमिका की जांच भी शामिल है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मानसून की स्थिति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन ने सोमवार को क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, चेन्नई द्वारा अगले चार दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर स्थिति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में 15 अक्टूबर को स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने साथ ही आईटी कंपनियों को यह परामर्श जारी करने को कहा है कि वे अपने कर्मचारियों को 15 से 18 अक्टूबर तक घर से काम करने की अनुमति दें।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण तमिलनाडु में भारी बारिश होगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और तमिलनाडु आपदा प्रतिक्रिया बल को प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में पहले से ही तैनात किया जाए। स्टालिन ने जोर देकर कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और वृद्धाश्रमों तथा निराश्रित आश्रमों में खाद्यान्न तथा दवाओं का पर्याप्त भंडार रखने के प्रयास किए जाने चाहिए।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, राज्य के मंत्री, मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शंकर जीवाल और वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल हुए। आरएमसी ने कहा कि 15 अक्टूबर को रानीपेट, तिरुवल्लूर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर और तंजावुर जिलों और पुडुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

इस बीच, अन्नाद्रमुक महासचिव ई के. पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि बारिश से प्रभावित कोयंबटूर, तिरुप्पुर, पुदुकोट्टई, सेलम और आंतरिक तमिलनाडु के कई जिलों में लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू नहीं किए हैं। उन्होंने दावा किया कि द्रमुक सरकार ने ऐसे काम किया जैसे चेन्नई ही मायने रखता हो, जिससे लोगों में नाराजगी है। यह पता नहीं चल पाया कि राजस्व, नगर प्रशासन, स्वास्थ्य और बिजली मंत्री बचाव और राहत गतिविधियों में शामिल थे या नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां एक बयान में कहा, स्टालिन को अपने उपमुख्यमंत्री बेटे को बढ़ावा देना बंद कर देना चाहिए और इसके बजाय बारिश प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

तमिलनाडु में कक्षा 10-12 के लिए बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा

चेन्नई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 10-12 के लिए बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने यह घोषणा की। मंत्री ने बताया कि कक्षा 12 के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं 7 फरवरी से 14 फरवरी तक होंगी। वहीं छात्रों के लिए मुख्य परीक्षाएं 3 मार्च से लेकर 25 मार्च तक चलेंगी। कक्षा 11 के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं 15 फरवरी से 21 फरवरी तक होंगी, जबकि मुख्य परीक्षाएं 5 मार्च से 27 मार्च तक चलेंगी।

कक्षा 10 के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं 22 फरवरी से 28 फरवरी के बीच होंगी, जबकि मुख्य परीक्षाएं 28 मार्च से 15 अप्रैल तक होंगी। मंत्री ने यह भी बताया कि कक्षा 12 के नतीजे संभावित रूप से 9 मई को घोषित किए जाएंगे, जबकि कक्षा 10 और 11 के नतीजे 19 मई को जारी होने की उम्मीद है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए तमिलनाडु में कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 26 मार्च से 18 अप्रैल तक आयोजित की गईं। परीक्षाएं तमिल और अन्य भाषा के पेपर से शुरू हुईं और सामाजिक विज्ञान के पेपर (भाग3) के साथ समाप्त हुईं।

तमिलनाडु एसएसएलसी (कक्षा 10) की अंतिम परीक्षा में कुल 8,94,264 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 8,18,743 छात्र या 91.55 प्रतिशत 2024 में उत्तीर्ण हुए। परीक्षा में शामिल होने वाली 4,47,061 महिला उम्मीदवारों में से 4,22,591 उत्तीर्ण हुईं, जिसके परिणामस्वरूप उत्तीर्ण प्रतिशत 94.55 प्रतिशत रहा। दूसरी ओर, 4,47,203 पुरुष उम्मीदवारों ने एसएसएलसी परीक्षा दी, जिनमें से 3,96,152 या 88.58 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई में 46वें साप्ताहिक मेघा अन्नदान प्रोजेक्ट के तहत एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के पास गणेश मंदिर में सुबह सैंकड़ों लोगों को नाश्ता और बादाम दूध का वितरण किया गया। श्रीमती शांतिदेवी जवाहरलाल चंदन के सौजन्य से आयोजित अन्नदान के इस मौके पर राज्य के मंत्री पीके शेखर बाबू ने लोगों को खाना परोसकर इसका शुभारंभ किया।

इरोड जिले में वाहन से 1,000 किलोग्राम गुटखा जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। पड़ोसी राज्य कर्नाटक से जिले के अन्थियुर कस्बे में तस्करी करके लाई जा रही 1,000 किलोग्राम गुटखा की अवैध खेप जब्त की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। चूंकि तमिलनाडु में गुटखा का निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री प्रतिबंधित है, इसलिए पड़ोसी राज्यों से इसे यहां तस्करी कर लाया जाता है। पुलिस ने बताया कि अन्थियुर के पुलिस कर्मियों ने वाहन जांच के तहत बद्राकालिअम्मन मंदिर के पास एक वैन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वैन चालक बिना रोके ही इसे लेकर भागने लगे। उन्होंने बताया कि ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों ने पुलिस को सूचित किया और उन्होंने अन्थियुर में अथानी रोड के पास वैन को रोक लिया। चालक और एक अन्य व्यक्ति वाहन छोड़कर भाग गए। पुलिस ने जब चालक की सीट के पीछे लगे बंद डिब्बे को तोड़ा और उसमें 143 बोरियों में रखा हुआ प्रतिबंधित गुटखा बरामद किया जिसका वजन 1,000 किलोग्राम था। पुलिस ने गुटखा जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है।

अभिनेता बैजू शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार, जमानत पर छूटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मलयालम फिल्म अभिनेता बैजू संतोष को पुलिस ने सोमवार की सुबह शराब के नशे में लापरवाही से गाड़ी चलाने और एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारने के आरोप में गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। दोपहिया वाहन को टक्कर मारने की घटना तिरुवनंतपुरम के म्यूजियम पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कौडियार-वेल्लायामबालम रोड पर रात 11.45 बजे घटी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बैजू को हिरासत में लेकर सोमवार रात साढ़े 12 बजे उनकी गिरफ्तारी दर्ज कर ली। अभिनेता पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 (सार्वजनिक स्थान पर लापरवाही से वाहन चलाना) के तहत आरोप लगाए गए हैं। बाद में बैजू को थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया। कार को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। स्कूटर सवार को गंभीर चोटें नहीं आई हैं। उसने पुलिस में शिकायत भी दर्ज नहीं कराई।

अभिनेता बाला को मानहानि और क्रूरता के आरोप में गिरफ्तार किया गया

कोच्चि/भाषा। फिल्म अभिनेता बाला को उनकी पूर्व पत्नी और उनकी बेटी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अभिनेता पर सोशल मीडिया के माध्यम से मानहानि, नारीत्व का अपमान और बच्चों के प्रति क्रूरता के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि बाला को सोमवार सुबह उनके घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा।

साइबर वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए केंद्र और आरबीआई के संयुक्त हस्तक्षेप की जरूरत : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए वित्तीय क्षेत्र में एक मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया। विजयन कहा कि राज्य ने इस संबंध में पहले ही केंद्र और भारतीय रिजर्व बैंक से संयुक्त रूप से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ साइबर अपराध भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं और राज्य पुलिस का साइबर पुलिस प्रभाग इस तरह की धोखाधड़ी को रोकने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। उन्होंने राज्य विधानसभा में अनवर सदाथ (कांग्रेस) द्वारा उठाए गए इस मुद्दे के जवाब में यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य पुलिस साइबर वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के लिए सोशल मीडिया पेजों के माध्यम से व्यापक जागरूकता बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि केरल में सभी जिलों में साइबर पुलिस थाने हैं और लोगों को साइबर अपराधों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए एक टोल-फ्री नंबर और विशेष वेबसाइट शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसी धोखाधड़ी में शामिल 30,000 से अधिक बैंक खातों को पहले ही ब्लॉक कर दिया गया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साइबर धोखाधड़ी की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा मोबाइल फोन को निष्क्रिय करने और आरोपियों की गिरफ्तारी सहित कड़े कदम उठाए जा रहे हैं।

केरल विधानसभा ने वायनाड को केंद्र की सहायता में देरी के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा ने भूस्खलन से प्रभावित वायनाड को केंद्र से सहायता मिलने में कथित देरी के खिलाफ सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। विधानसभा में इस मामले पर चर्चा के लिए संसदीय कार्य मंत्री एम.बी.राजेश ने यह प्रस्ताव पेश किया।

प्रस्ताव में मंत्री ने कहा कि केंद्र को एक ज्ञापन पहले ही सौंपा जा चुका है जिसमें 30 जुलाई को वायनाड के मेप्पाडी पंचायत के चूरलमाला, मुंदक्कई और पुंचिरिमट्टम क्षेत्रों में हुए भूस्खलन से हुई तबाही का विस्तृत ब्योरा दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि अबतक कोई तात्कालिक मदद नहीं मिली और केंद्र द्वारा सहायता दिए जाने में देरी से भूस्खलन प्रभावितों के पुनर्वास पर प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। प्रस्ताव में मांग की गई केंद्र को प्रभावित की तत्काल वित्तीय सहायता करनी चाहिए और उनका बैंक ऋण माफ कर देना चाहिए। बाद में विधानसभा अध्यक्ष ए.एन. शमसीर ने घोषणा की कि प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित हुआ।

वायनाड पुनर्वास को लेकर केरल विधानसभा में केंद्र की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के कई महीने बाद भी वायनाड में भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराने को लेकर केन्द्र सरकार की आलोचना की।

वायनाड के भूस्खलन से जीवित बचे लोगों के पुनर्वास पर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा।

प्रस्ताव पेश करने वाले यूडीएफ ने जहां मोदी पर फोटो शूट के लिए आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने का आरोप लगाया, वहीं एलडीएफ ने कहा कि संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी आपदा के समय पुनर्वास के लिए धन उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। स्थगन प्रस्ताव पेश करते हुए कांग्रेस के के. टी. सिद्दीकी ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने वायनाड के भूस्खलन प्रभावित गांवों का दौरा किया था, जीवित बचे लोगों से मुलाकात की थी और अस्पताल में घायलों से मिले थे। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वायनाड में निर्धारित समय से डेढ़ घंटा अधिक समय बिताया और उच्च स्तरीय बैठक के दौरान आश्वासन दिया कि पुनर्वास पहल में केंद्र राज्य के साथ रहेगा।

विधानसभा में वायनाड के कलपेट्टा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के दौरे के महीनों बाद भी, केंद्र ने वायनाड के पुनर्वास के लिए आज तक एक पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को चूरलमाला और मुंडक्कई गांवों में हुए भीषण भूस्खलन से वायनाड को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

विधायक ने कहा, पुनर्वास के लिए हमें कम से कम 2000 करोड़ रुपये की जरूरत है। अब भूस्खलन से बचे लोग पूछ रहे हैं कि क्या प्रधानमंत्री मोदी फोटो शूट के लिए वायनाड आए थे? उन्होंने इस बात को दुखद बताया कि केंद्र सरकार वायनाड के लोगों की कठिनाइयों और तकलीफों के बावजूद वहां की उपेक्षा कर रही है। सिद्दीकी ने सटीक वर्षा पूर्वानुमान उपलब्ध कराने, पीड़ितों के ऋण माफ करने तथा पुनर्वास पहल के लिए भूमि अधिग्रहण का काम जल्द से जल्द पूरा करने में राज्य सरकार तथा इसके विभिन्न विभागों के बीच समन्वित हस्तक्षेप की भी मांग की। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के.के शैलजा ने वायनाड के प्रति केंद्र की निरंतर उपेक्षा के खिलाफ सदन के अंदर और बाहर एकजुट आंदोलन शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नारी सशक्तीकरण के लिए सभी स्तरों पर हो प्रयास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि वही समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है जिसमें नारी सशक्तीकरण के लिए कार्य होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार और हिम्मत नारी शक्ति के रूप में मां ही देती है। उन्होंने मातृ शक्ति को बच्चों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि करने वाली बताते हुए कहा कि महिलाओं को मन से मजबूत होना चाहिए। बागडे सोमवार को एक निजी होटल में 'महिला सुरक्षा मंच' द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति 2024' पुरस्कार समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, उद्यमिता, शिक्षा, चिकित्सा, अर्थव्यवस्था आदि विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नारी शक्ति 2024' पुरस्कार प्रदान करते हुए उनके कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को हमारे यहां देवी का रूप दिया गया है। वे शक्तस्वरूपा हैं, इसलिए उन्हें हर स्थिति में निडर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में कन्या पूजन की परंपरा आरंभ से रही हैं। उन्होंने सनातन संस्कृति और नारी शक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि नवरात्रा शक्ति उपासना का ही पर्व है। उन्होंने कहा कि पर्वों के जरिए भारतीय संस्कृति को जीवित रखने का कार्य घर की महिलाओं ने ही किया हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल पारित कर महिलाओं को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश में नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य किया गया है। उन्होंने राजस्थान के सुदूर क्षेत्रों में हर घर जल और अन्य कार्यों से आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं की कठिनाइयों को दूर करने के साथ ही लखपति दीदी, महिला उद्यमिता के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत के लिए महिला भागीदारी के अंतर्गत भी कार्य किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने समाज में महिला शिक्षा और उन्हें अवसर देने के लिए सभी स्तरों पर कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर ने महिला शक्ति के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। आरंभ में 'महिला सुरक्षा मंच' की श्रीमती बबीता शर्मा ने सभी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 'राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स' का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में वित्त, आर्थिक प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, कृषि और विकासात्मक आदि क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'राजस्थान इकोनॉमिक रिवाइवल टास्क फोर्स' (ठएठढ्ञ) का गठन किया गया है। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की अनुपालना में राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। उप मुख्यमंत्री(वित्त) इस टास्क फोर्स के उपाध्यक्ष होंगे। उप मुख्यमंत्री(परिवहन व उच्च शिक्षा), उद्योग मंत्री, ऊर्जा मंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन, प्रमुख शासन सचिव उद्योग, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी तथा शासन सचिव आयोजना इस टास्क फोर्स के सदस्य होंगे तथा शासन सचिव, वित्त(बजट) सदस्य सचिव होंगे। प्रशासनिक सुधार विभाग के शासन उप सचिव अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि टास्क फोर्स में वित्त, आर्थिक प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, कृषि और विकासात्मक क्षेत्रों से 5 विषय विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में नामित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि टास्क फोर्स द्वारा प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों की पहचान, नीति निर्माण और कार्यान्वयन, कौशल विकास और शिक्षा, बुनियादी ढांचे का विकास, नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा, एमएसएमई और स्टार्टअप को बढ़ावा, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत, हरित विकास को बढ़ावा देने सहित प्रदेश की आर्थिक व रोजगार वृद्धि जैसे विषयों के संबंध में अभिशंसाएं की जाएंगी। शर्मा ने बताया कि इस टास्क फोर्स का कार्यकाल 31 मार्च, 2028 तक रहेगा एवं इसकी बैठक वर्ष में कम से कम एक बार आयोजित की जाएगी एवं वित्त विभाग इसका प्रशासनिक विभाग रहेगा।

राज्यसभा के पूर्व सदस्य पिलानिया का निधन

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के राज्यसभा के पूर्व सदस्य ज्ञानप्रकाश पिलानिया का रविवार रात यहां निधन हो गया। वे कुछ दिन से बीमार थे। राज्यपाल और मुख्यमंत्री सहित तमाम नेताओं ने पिलानिया के निधन पर शोक जताया है। मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रहे पिलानिया (93) ने रविवार रात यहां एक निजी अस्पताल में अंतिम श्वांस ली। राजभवन के प्रवक्ता के अनुसार, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व राज्यसभा सदस्य पिलानिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिलानिया के निधन पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान से पूर्व राज्यसभा सदस्य और पूर्व डीजीपी ज्ञानप्रकाश पिलानिया के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। प्रभु राम पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें।' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा अन्य नेताओं ने भी पिलानिया के निधन पर शोक जताया है।

पूर्वी हिस्सों में कई जगह बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कई जगह सोमवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, इस दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गयी जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। सबसे अधिक 47 मिलीमीटर बारिश डूंगला (चित्तौडगढ़) में दर्ज की गयी। सर्वाधिक 38.2 डिग्री सेल्सियस तापमान गंगानगर में दर्ज किया गया।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के सिरोही जिले के कैलाश नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक पिकअप वाहन और बाइक की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। थानाधिकारी कानाराम सीरवी ने बताया कि टेंट का सामान ले जा रहे एक पिकअप वाहन ने देवनगर में बाइक को टक्कर मार दी जिससे दो पहिया वाहन सवार दिनेश रेबारी (20) और निंबाराम रेबारी (18) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। सीरवी ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है। उनके मुताबिक, पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज जांच की जा रही है।

नायब तहसीलदार आठ हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज बारां जिले में सीसवाली उप तहसील के नायब तहसीलदार बाबूलाल गोचर को आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ब्यूरो में परिवादी द्वारा शिकायत दी गयी कि उसकी दुकान का अतिक्रमण हटाने का नोटिस एवं मामला रफा-दफा करने की एवज में बाबूलाल गोचर, नायब तहसीलदार, उप तहसील सीसवाली द्वारा आठ हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाने के बाद सोमवार को ट्रैप की कार्यवाही करते हुये आरोपी बाबूलाल गोचर को परिवादी से आठ हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो द्वारा इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से सोमवार को राजभवन में प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं को सुगम बनाने के लिए तकनीकी नवाचार लागू करने पर प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में निम्स हॉस्पिटल, जयपुर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान की आईटी की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री के लाभों से अवगत कराया गया।

कार्यशाला में निम्स हॉस्पिटल के डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। उन्हें हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री के महत्व और इसके विभिन्न फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि एचपीआर आईडी से स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की प्रोफेशनल पहचान की सुरक्षा, पारदर्शिता और आसानी से ट्रैकिंग संभव होती है, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलती हैं। कार्यशाला के दौरान डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की एचपीआर आईडी भी बनाई गई, ताकि वे देशव्यापी डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क से जुड़ सकें और अपनी सेवाओं को और अधिक सशक्त रूप से प्रदान कर सकें।

धार्मिक आयोजनों से सामाजिक सद्भाव को मिलता है बल : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को अलवर जिले में गोविन्दगढ मोड से निकाली गई कलश व शोभायात्रा को ध्वजा लहराकर रवाना किया। शर्मा ने आमजन को कहा कि धार्मिक आयोजन सामाजिक सद्भाव को मजबूती प्रदान करते हैं।

इस प्रकार के आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक परम्पराएं अगली पीढी को धरोहर स्वरूप प्राप्त होती है। कथा जैसे पुनीत आयोजनों के माध्यम से ही मनुष्य अपने को परमात्मा के करीब महसूस कर अपने को जीवमात्र की सेवा में अर्पित करने की प्रेरणा प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र मर्यादा व जनकल्याण का आदर्श प्रस्तुत करता है। गोविंदगढ़ मोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 9 दिवस तक आयोजित होने वाली भव्य राम कथा के माध्यम से आमजन भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप से लेकर उनके जीवन संघर्ष, त्याग, मर्यादा व आदर्श के बारे में जानकारी प्राप्त कर भगवान श्रीराम द्वारा बताए गए जनकल्याण के मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि कलश व शोभा यात्रा अग्रवाल धर्मशाला से शुरू हुई जो गोविंदगढ़ मोड होते हुए बालोत नगर, गुलाब वाटिका से मुख्य बाजार , तहसील रंगमंच, बस स्टैंड से वापस अग्रवाल धर्मशाला पहुंची। यात्रा में 1100 कलशों के साथ महिलाएं कलश यात्रा में शामिल हुई । कलश यात्रा का कस्बे के व्यापारियों व सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने पुष्पावर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान मनमोहक झांकिया निकाली गई।

इसके उपरान्त मंत्री शर्मा ने मूंगस्का स्थित नर्सरी में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुडकर अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर धरती मां के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करनी चाहिए।

बच्चों ने देखी विधानसभा, लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर जयपुर आकर राजस्थान विधानसभा और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर ज्ञानवर्धन कर रहे हैं। डीडवाना-कुचामन जिले की कुचामन सिटी के बी. आर. खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्रा और शिक्षक ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा आये। विधानसभा जन दर्शन के तहत विधानसभा को देखा और अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की।

देवनानी ने बच्चों से परिचय लिया। उनके व्द्यािलय, पढाई और खेल गतिविधियों की जानकारी ली। देवनानी ने कहा कि बच्चे पढें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों से कहा कि राष्ट्र प्रथम है। हमारे कार्यों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव होनी चाहिए। देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें। विधानसभा अध्यक्ष ने इस वर्ष 18 मई से राजस्थान विधानसभा जन-दर्शन कार्यक्रम आरम्भ किया था। इस कार्यक्रम के तहत आमजन प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक विधान सभा के द्वार संख्या 7 से आधार कार्ड की फोटो प्रति जमा कराकर विधान सभा में प्रवेश कर राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर सकते हैं। देवनानी ने बताया कि विधानसभा जन-दर्शन के तहत आमजन का विधानसभा से जुडाव को बढावा मिल रहा है। राजस्थानी शैली व विशिष्ट वास्तु कला का दिग्दर्शन कराने वाली विधान सभा की अनूठी ईमारत में देश, प्रदेश के आमजन, शोधार्थी, पर्यटक और व्द्यािर्थी आसानी से भ्रमण कर राज्य के राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी का लाभ उठा रहे है। विधान सभा जन-दर्शन के तहत अभी तक 7416 लोगों ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया है।

वरिष्ठ तीर्थ यात्रियों को लेकर रामेश्वरम-मदुरै तीर्थ स्थल के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत विशेष ट्रेन बीकानेर से वाया भगत की कोठी-जवाई बांध रेलवे स्टेशन से होते हुए रामेश्वरम-मदुरै तीर्थ स्थल पर यात्रियों को लेकर सोमवार को रवाना हुई। इस दौरान बीकानेर स्टेशन पर जय श्रीराम के जयकारे तीर्थ यात्रियों ने लगाए। इसे संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सवाई सिंह, श्याम पंचारिया, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी मौजूद रहे। इसमें बीकानेर और चूरू जिले के 230 यात्रियों को भेजा गया है। ट्रेन में आईआरसीटीसी ट्रेन मैनेजर किरण लांबा, बीकानेर से ट्रेन प्रभारी महावीर सिंह चौहान, सहायक ट्रेन प्रभारी, मेडिकल टीम और प्रत्येक कोच में दो अनुरक्षकों को लगाया गया है। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि इस विशेष ट्रेन में बीकानेर रेलवे स्टेशन पर आवश्यक व्यवस्थाएं अन्य कार्य के लिए श्वेता चौधरी, सुनीता मेहरा, महेश कुमार शर्मा, किशोर कुमार शर्मा, रितेश श्रीमाली, गोपाल आचार्य, राजेश दाधीच, अनसुइया शर्मा,अभिषेक श्रीमाली, कल्पिश शर्मा आदि द्वारा की गई।

समाज व बच्चों में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना जरूरी : मंजू बाघमार

जयपुर/दक्षिण भारत । आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण के उद्देश्य से पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी आफ इंडिया (पीआरएसआई), जयपुर चैप्टर द्वारा सोमवार को मानसरोवर स्थित वैदिक पीजी महाविद्यालय में हाथ बढ़ाओ, हग करो (गले मिलो) और चरण स्पर्श विषयक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह और एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन किया गया। विश्व जनसंपर्क दिवस पर प्रारंभ की गई फोटो प्रतियोगिता के लिए देशभर से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थीं। विजेता प्रतिभागियों को महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती मंजू बाघमार और हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जन संचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती मंजू बाघमार ने कहा कि वर्तमान समय में हम नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। बड़ों को चरणस्पर्श करने में हमें झिझक महसूस होती है। भीड़ के बीच भी हम अपने आप को अकेला महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में जरूरतमंद के लिए हाथ बढ़ाना, गले लगाना और बड़ों का आशीर्वाद ही काम करता है। श्रीमती बाघमार ने पीआरएसआई, जयपुर चैप्टर के पदाधिकारियों को इतने अच्छे और समसामयिक विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता करने की बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के विषय से हम स्वयं को, अपने समाज और बच्चों को नैतिक मूल्य की शिक्षा दे सकते हैं। भारत की विश्व गुरु की संस्कृति को आत्मसात कर सकते हैं।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुधि राजीव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर ने समाज को विघटित कर दिया है। सोशल मीडिया की दुनिया में फॉलोअर्स और दोस्तों की भीड़ से घिरा व्यक्ति असल जिंदगी में अकेला और दुखी है। ऐसे में किसी को गले लगाना और दोस्ती का हाथ बढ़ाना वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि बड़ों के सम्मान से आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की थीम से सोच बदलेगी और भारतीय संस्कृति जीवंत होगी।

मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की जल परियोजनाएं हो रही साकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। देश में जल संचय के क्षेत्र में 'कैच द रेन' कैम्पेन प्रधानमंत्री की अनूठी पहल है। उन्होंने कहा कि यह अभियान देश में जन आंदोलन बनेगा, जिससे जन भागीदारी बढ़ेगी और जल संचय होगा। शर्मा गुजरात के सूरत में जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान की जल आवश्यकता को समझते हुए वर्ष 2003 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश को नर्मदा का पानी उपलब्ध करवाया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ही राजस्थान और मध्यप्रदेश के मध्य ईआरसीपी परियोजना का एमओयू तथा हरियाणा और राजस्थान के बीच यमुना जल समझौता हुआ। देवास परियोजना के तहत उदयपुर में जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में जल हमेशा से एक अनमोल संसाधन रहा है, इसलिए राजस्थान में जल संरक्षण एक परंपरा है। हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण की आवश्यकता को गहराई से समझा और सीमित संसाधनों में भी डिग्गी, कुंड और बावड़ी बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि सदियों से राजस्थान में टांके, तालाब, खड़ीन, नाड़ियां, पाट और जोहड़ के माध्यम से वर्षा जल को सहजने का काम किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षा जल संचय के लिए महत्वपूर्ण अभियान चलाया है।

पशुपालन मंत्री ने गौशाला विकास योजना को किया ऑनलाइन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को निदेशालय गोपालन की गौशाला विकास योजना को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाईन किया।

उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं में 10 लाख रूपये तक के आधारभूत परिसम्मपत्ति निर्माण (गौवंश शेड, चारा भण्डार गृह, पानी खेली/टांका/टंकी, चाराठाण, गोपालक आवास गृह, तारबंदी आदि) कार्य करवाये जाते हैं। वर्तमान में योजना को ऑनलाईन किया गया है जिसके लिए योजना में पंजीकृत गौशालायें दिनांक 15 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक नवीन आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकेंगी।

कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है, लोग उसके धोखे से हैं परिचित : नायब सिंह सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है और जनता इस धोखे से वाकिफ है, इसलिए वह देशभर में उसे बाहर का रास्ता दिखा रही है।

सैनी 17 अक्टूबर को दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले हैं। उन्होंने यहां कामाख्या मंदिर में दर्शन किया जिसके बाद भाजपा की असम इकाई के मुख्यालय में उनका अभिनंदन किया गया।

सैनी ने कहा, '' कांग्रेस हमेशा झूठ को ढाल बनाती है। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में झूठ के बल पर ही वह सत्ता में आई।'' उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस की झूठ की राजनीति लंबे समय तक नहीं टिक सकती है। उसका छल-कपट अब जनता को स्वीकार्य नहीं है, इसलिए उसने उसे राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और अब हरियाणा में बाहर का रास्ता दिखा दिया है।'' उन्होंने कहा कि लोगों ने इस पुरानी पार्टी का झूठ का नकाब उतार दिया है तथा केंद्र एवं राज्यों में उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

सैनी ने कहा कि लोग 'सिर्फ मोदी की गारंटी में यकीन करते हैं।'

किसानों के लिए भाजपा द्वारा किये गये प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां तक कि कांग्रेस की सात पीढ़ियां भी पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा कृषकों के लिए किये गये कामों की कल्पना नहीं कर सकती हैं।

सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण का उल्लेख करते हुए सैनी ने कहा कि हरियाणा में प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक आंदोलन शुरू किया है कि हर घर से कोई न कोई व्यक्ति रक्षा सेवाओं में भर्ती हो। उन्होंने कहा, ''अग्निवीर हो या फिर सशस्त्र बलों के लिए सुविधाएं, प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए कदम अप्रत्याशित हैं। उन्होंने लोगों में सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान पैदा किया है।''

सैनी ने कहा, '' खेलो इंडिया (कार्यक्रम) के तहत सरकार खिलाड़ियों को पूरा सहयोग देती है और जरूरत पड़ने पर विशेष कोचिंग और कोच की व्यवस्था भी करती है।'' उन्होंने असम की भाजपा नीत 'डबल इंजन सरकार' के कामकाज की भी तारीफ करते हुए कहा कि यह असाधारण रूप अच्छा काम कर रही है और शीघ्र ही असम देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के गतिशील नेतृत्व में असम किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है और प्रधानमंत्री के हाथ को मजबूत कर रहा है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा 2026 में भी असम में तीसरी बार सत्ता में आयेगी।

इससे पहले सैनी और उनकी पत्नी हरियाणा में भाजपा की जीत के बाद यहां कामख्या मंदिर गये थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले भी सैनी ने अगस्त में पत्नी संग इस मंदिर में पूजा-अर्चना की थी।

आर जी कर अस्पताल प्रकरण: जूनियर चिकित्सकों ने राजभवन तक निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आर जी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में एक चिकित्सक की कथित बलात्कार के बाद हत्या की त्वरित एवं पारदर्शी जांच की मांग करते हुए प्रदर्शनकारी जूनियर चिकित्सकों ने यहां रैली निकाली।

चिकित्सकों ने धर्मतला के समीप डोरिना चौराहे से यह मार्च निकाला जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। इन जूनियर चिकित्सकों ने डोरिना चौराहे पर एक मंच लगा रखा है और वहां कुछ चिकित्सक पांच अक्टूबर से उपवास पर हैं। देबाशीष हल्दर नामक एक जूनियर चिकित्सक ने कहा, '' सीबीआई ने अपने आरोपपत्र में जो यह कहा है कि इस अपराध के पीछे केवल एक व्यक्ति था, उसे हम स्वीकार नहीं कर सकते। हम आर जी कर अस्पताल में अपनी बहन के साथ किये गये बलात्कार और हत्या की त्वरित और पारदर्शी जांच की मांग करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम राज्यपाल से मिलने और उनसे हस्तक्षेप करने की मांग करने के लिए राजभवन नहीं जा रहे हैं, बल्कि हम उन्हें अपना संदेश देंगे।'' उन्होंने कहा कि जूनियर चिकित्सकों द्वारा राज्यपाल कार्यालय को एक ज्ञापन सौंपे जाने की संभावना है।

'भूदान' से जुड़ी कांग्रेस चला रही है 'भू हड़प आंदोलन': भाजपा का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस का समूचा शीर्ष नेतृत्व भूमि सौदों से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त है और इन मामलों में पोल खुलने के बाद उसे नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

भाजपा की ओर से कांग्रेस पर यह हमला ऐसे समय किया गया है जब कर्नाटक में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल एम. खरगे ने 'बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र' स्थापित करने के लिए बेंगलूरु में पांच एकड़ जमीन के आवंटन के अपने अनुरोध को रविवार को वापस ले लिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे राहुल खरगे का यह कदम सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण को 14 भूखंड वापस लौटाने के बाद आया है। लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले को लेकर सिद्धरमैया, उनकी पत्नी और एक रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि ये फैसले नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की प्रतिकूल रिपोर्ट और कानूनी कार्यवाही के कारण लिए गए हैं और एक तरह से यह उसके नेताओं की स्वीकारोक्ति है कि भू आवंटन गलत था। उन्होंने दावा किया कि कानूनी कार्यवाही के दौरान होने वाली 'जलालत' से बचने के लिए ऐसा किया गया। त्रिवेदी ने सिद्धरमैया समेत कांग्रेस के कई नेताओं पर कथित जमीन घोटालों का आरोप लगाया और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पूछा कि उनकी 'मोहब्बत की दुकान' अब 'अवैध प्रॉपर्टी डीलर की दुकान' में कैसे तब्दील हो गई?

झारखंड चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत 'लगभग फाइनल': हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था ''लगभग फाइनल'' है और चुनाव की घोषणा के 48 घंटे के भीतर उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी शर्मा पार्टी की चुनाव समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''राजग के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारा लगभग तय हो चुका है। जैसे ही निर्वाचन आयोग आदर्श आचार

संहिता घोषित करेगा, हम 24 से 48 घंटे में अपनी पहली सूची जारी कर देंगे। हमें निर्वाचन आयोग की घोषणा का इंतजार है।''

हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सीट बंटवारे पर बनी सहमति के अनुसार सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी 9-11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, ''आजसू पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत लगभग फाइनल है। एक सीट को लेकर कुछ दिक्कत है। हम मंगलवार तक उसका समाधान कर लेंगे।''

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) दो विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के विदेश से लौटने के बाद बुधवार या बृहस्पतिवार को होगी।

भाजपा नेता ने कहा कि पांच या छह सीट को छोड़कर लगभग सभी सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बचे हुए नामों पर भी फैसला जल्द ले लिया जाएगा।

शर्मा ने कहा, ''चुनाव समिति कल एक बार फिर बैठक करेगी, जिसके बाद पार्टी के संसदीय बोर्ड की बैठक होगी।''

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल संपन्न होने हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी, 2025 को समाप्त होगा।

झारखंड : मुख्यमंत्री सोरेन ने 498 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को 498 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। ये नियुक्तियां अनुबंध के आधार पर की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां 'प्रोजेक्ट बिल्डिंग' में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''यह एक ऐतिहासिक अवसर है जब 498 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्त किया जा रहा है और मैं उम्मीद करता हूं कि वे लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करेंगे।'' उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी के तौर पर नियुक्त किए गए पांच कर्मियों - अनिता महतो, अंकिता उपाध्याय, संतोषी रजक, सिलवंती सोरेन और मोहम्मद रबीउल इस्लाम को प्रतीकात्मक नियुक्ति पत्र सौंपे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने डिजिटल माध्यम से मुंबई में झारखंड भवन की आधारशिला रखी। आधिकारिक बयान के अनुसार, झारखंड भवन का निर्माण नवी मुंबई में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) पर निर्भर क्षेत्र के लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 230/33 किलोवाट क्षमता के पकरी-बरवाडीह सबस्टेशन की आधारशिला भी रखी।

कोटा-इटावा एक्सप्रेस से युवती का अपहरण, पांच घंटे तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म

इटावा (उप्र)/भाषा। कोटा-इटावा एक्सप्रेस में सवार तीन युवकों ने 22 वर्षीय एक युवती को कथित तौर पर अगवा कर उसे पांच घंटे तक बंधक बनाए रखा और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती के पिता की ओर से रविवार को दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, यह वारदात 12 अक्टूबर को हुई, जब युवती मध्य प्रदेश के भिंड में अपने मामा के घर से लौट रही थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने युवती को नशीला पदार्थ खिलाकर उसे बेहोश किया और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

पुलिस अधीक्षक (इटावा ग्रामीण) सत्यपाल सिंह ने बताया कि युवती मध्य प्रदेश के भिंड जिले के सोनी रेलवे स्टेशन से उत्तर प्रदेश के इटावा आने के लिए कोटा-इटावा एक्सप्रेस में सवार हुई थी। ट्रेन में एक अज्ञात युवक युवती का वीडियो बनाने लगा, जिसका उसने विरोध किया और डिब्बा बदल लिया। युवक संदिग्ध लग रहा था, इसलिए युवती ने उसकी फोटो खींच ली। सिंह ने शिकायत के हवाले से बताया कि युवती के डिब्बा बदलने पर वह युवक भी वहां पहुंच गया और उसे बेहोश कर उसका अपहरण कर लिया।

भारत वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने सोमवार को कहा कि स्थायी स्वास्थ्य समाधान तैयार करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और विषयों से परे सहयोग आवश्यक है। उन्होंने वैश्विक गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए फार्मा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा आयोजित औषधि नियामक प्राधिकरणों के 19वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए नड्डा ने कहा कि यह मंच 120

से अधिक देशों के विशेषज्ञों और दिग्गजों को एक साथ लाता है तथा वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल मानकों को बढ़ावा देने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भारत की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल स्वास्थ्य नवाचार में वैश्विक स्तर पर उभरा है, बल्कि उसने कोविड-19 महामारी के दौरान ''विश्व की फार्मेसी'' के रूप में अपनी भूमिका की भी पुष्टि की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत ने तेजी से अपने स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है और घरेलू एवं वैश्विक दोनों मांगों को पूरा करने के लिए अपने टीका उत्पादन को बढ़ाया है। नड्डा ने कहा, ''एक अरब से अधिक लोगों को कोविड-19 टीकाकरण के दायरे में लाने के कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन, हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की मजबूती और हमारे स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण तथा हमारी नीतियों की सुदृढ़ता का प्रमाण है।'' उन्होंने कहा कि 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में भारत ने विश्व भर के देशों के लिए आवश्यक दवाओं, टीकों और चिकित्सा आपूर्ति तक किफायती पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

झारखंड: धनशोधन मामले में ईडी ने आईएएस अधिकारी, मंत्री के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी की

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को चुनावी राज्य झारखंड के जल और स्वच्छता विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित करोड़ों रुपए की धनशोधन जांच के तहत एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, एक कैबिनेट मंत्री से जुड़े व्यक्तियों और कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने पहले कहा था कि छापेमारी केंद्र सरकार की योजना जल जीवन मिशन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जल और स्वच्छता विभाग द्वारा आवंटित कार्यों में 10 प्रतिशत की दर से कथित अवैध कमीशन का भुगतान हुआ और यह रिश्वत सत्ता में बैठे नेताओं, नौकरशाहों तथा विभाग के अधिकारियों के बीच साझा की गई। संघीय एजेंसी के अधिकारियों द्वारा राज्य की राजधानी रांची और पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में कुल 23 परिसरों की तलाशी ली गई। सूत्रों ने कहा कि ईडी की टीम को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा सुरक्षा कवर प्रदान किया गया। सूत्रों ने कहा कि सचिव रैंक के आईएएस अधिकारी मनीष रंजन, पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के निजी कर्मचारी हरेंद्र सिंह, ठाकुर के भाई विनय ठाकुर, कुछ सरकारी अधिकारियों, ठेकेदारों और व्यवसायियों से जुड़े परिसरों की एजेंसी ने तलाशी ली।

मसौदा विधेयक में खेल निकायों में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व: मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार द्वारा हाल ही में तैयार किये गये राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे में लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और सभी राष्ट्रीय महासंघों में 30 प्रतिशत महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मांडविया के अनुसार मसौदा विधेयक में यह भी प्रावधान है कि आईओए, पीसीआई और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) की आम सभा में मतदान करने वाले सदस्यों में से 10 प्रतिशत उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी होंगे।

विधेयक का मसौदा 10 अक्टूबर को प्रसारित किया गया था, जिसमें पूर्व विधायी परामर्श प्रक्रिया के तहत आम जनता और हितधारकों से टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए गए थे। मांडविया ने कहा कि मसौदा विधेयक का उद्देश्य भारत के उभरते खेल परिदृश्य के अनुरूप मौजूदा ढांचे का 'आधुनिकीकरण और अपडेट' करना है।

जम्मू कश्मीर के एक गांव में भीषण आग लगने से दर्जनों मकान जल कर खाक

किश्तवाड़/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर गांव में सोमवार को भीषण आग लगने से तीन दर्जन से अधिक मकान जलकर खाक हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि घनी आबादी वाले मुलवरवान गांव में दोपहर करीब पौने तीन बजे एक घर में रखे भूसे में आग लग गई और यह आग आस-पास के घरों में भी फैल गई, ज्यादातर मकान लकड़ी से बने थे। उनके अनुसार जिस घर में पहले आग लगी, उसके मालिक ने सर्दियों में मवेशियों को खिलाने के लिए भूसा जमा किया था। पांच दमकल गाड़ियां वरवान तहसील के इस गांव में भेजी गयीं लेकिन वे मौके पर पहुंच नहीं पायीं। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी एवं स्थानीय लोग तेजी से फैल रहे इस आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

गंभीर ने कहा, जितना जोखिम, उतना फायदा, बल्लेबाजों पर नहीं लगाएंगे लगाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को यह स्पष्ट किया कि वह टेस्ट क्रिकेट में अपने बल्लेबाजों पर लगाम नहीं लगाएंगे क्योंकि जितना अधिक जोखिम लिया जाएगा उतना ही फायदा भी होगा। भारत ने हाल में बारिश से प्रभावित कानपुर टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ इसी तरह का रवैया अपनाया था। इस मैच में बारिश के कारण दो दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी लेकिन भारत ने आखिर में सात विकेट से जीत दर्ज की थी।

गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले तीन टेस्ट मैच की शृंखला से पूर्व संवाददाताओं से कहा, ''हमें उन पर लगाम लगाने की क्या जरूरत है। अगर वह नैसर्गिक क्रिकेट खेल सकते हैं, अगर वह एक दिन में 400 से 500 रन बना सकते हैं तो इसमें क्या गलत है। हम 'जितना अधिक जोखिम उतना फायदा, जितना जोखिम उतनी असफलता की संभावना' का रवैया जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा,''कोई ऐसा दिन भी होगा जब हमारी टीम 100 रन पर आउट हो जाए लेकिन हमें इसे

स्वीकार करना होगा। हम अपने खिलाड़ियों का जोखिम से भरी क्रिकेट खेलने के लिए समर्थन जारी रखेंगे। हम इसी तरह से आगे बढ़ना चाहते हैं तथा कैसी भी परिस्थिति हो परिणाम हासिल करना चाहते हैं।'' गंभीर ने हालांकि तुरंत ही कहा की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना उनकी टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण बना रहेगा। उन्होंने कहा,''मैंने चेन्नई में कहा था कि हम एक ऐसी टीम चाहते हैं जो एक दिन में 400 रन बनाए तथा दो दिन तक बल्लेबाजी करके मैच ड्रॉ करा सके। इसे ही आगे बढ़ना कहा जाता है। इसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना कहा जाता है। यही टेस्ट क्रिकेट है। अगर आप हमेशा एक ही ढर्रे पर बने रहते हैं तो फिर आगे नहीं बढ़ सकते।''

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं : गंभीर

बेंगलूरु/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है ।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया । न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिए आस्ट्रेलिया जाना है । गंभीर ने कहा ,'' विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है ।उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है । रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी ।'' उन्होंने कहा ,'' यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है । मुझे यकीन है कि वह इस शृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनायेगा । '' गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन खराब मैच या शृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिये।

न्यूजीलैंड के लिए जरूरी है अश्विन, जडेजा के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी : रचिन रविंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने सोमवार को कहा कि अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के दोहरे खतरे से निपटना भारत के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला में उनकी टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगा।

अश्विन और जडेजा ने टेस्ट में मिलकर 800 से अधिक विकेट हासिल किए हैं। यह दोनों वर्तमान में विश्व क्रिकेट में सबसे अनुभवी गेंदबाजी जोड़ियों में से एक हैं। रचिन ने कहा, '' वे लंबे समय तक एक क्षेत्र में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं। मेरा मतलब है आप दो स्पिनरों को देखते हैं जो लगातार खेलते हैं। अश्विन और जडेजा दोनों कुशल गेंदबाज हैं। आप जानते हैं कि वे बल्लेबाजी भी कर सकते हैं जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए परिस्थितियां थोड़ी कठिन हो जाती है।'' उन्होंने कहा, '' वे निरंतर अच्छी गेंदबाजी करते हैं। खासकर दुनिया के इस हिस्से में उनके खिलाफ अच्छा संघर्ष होगा। हम जानते हैं कि भारत घरेलू परिस्थितियों में अपनी बल्लेबाजी व गेंदबाजी की गुणवत्ता में कितना अच्छा है। इससे पता चलता है कि किसी टीम के लिए यहां आकर जीतना कितना कठिन है। यह मुश्किल होगा।'' रचिन को हालांकि भारत में पिछले अनुभव के दम पर आगामी टेस्ट शृंखला में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है।

सुविचार

दुनिया की हर चीज ठोकर लगने से टूट जाती है, एक कामयाबी ही है जो ठोकर लगने के बाद आती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ओटीटी को मर्यादित करें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ओटीटी मंच के संबंध में जो चिंता जाहिर की है, वह एक गंभीर मुद्दा है। इस पर परोसी जा रही सामग्री का भलीभांति विनियमन होना ही चाहिए, अन्यथा इससे गंभीर सामाजिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसा नहीं है कि ओटीटी के आने से पहले समाज में सबकुछ अच्छा ही था। समस्याएं तब भी थीं, लेकिन ओटीटी ने तो हद ही पार कर दी। यह कहने को तो कलाकारों को अभिव्यक्ति की भरपूर आजादी दे रहा है। यहां बहुत संभावनाएं हैं। भविष्य में इसके विस्तार की काफी गुंजाइश है। इसके साथ हमें यह देखना होगा कि जो कुछ इस पर पेश किया जा रहा है, उसका स्तर कैसा है? एक वेब सीरीज, जिसकी कहानी खुफिया एजेंसी में कार्यरत अधिकारी के इर्दगिर्द घूमती है, में उसके पारिवारिक जीवन को दिखाया गया है। वेब सीरीज में उस अधिकारी के छोटे-छोटे बच्चे अभद्र शब्द बोलते नजर आते हैं। उस सीरीज में यह भी दिखाने की कोशिश होती है कि खुफिया एजेंसियों में कार्यरत अधिकारी देश के दुश्मनों का बहादुरी से सामना करते हैं तथा उन्हें दैनिक जीवन में कई समस्याओं, तनावों से भी जूझना पड़ता है। बेशक ऐसा होता है, लेकिन यह कहां तक उचित है कि सीरीज में बच्चों को अभद्र शब्द बोलते दिखाया जाए? सवाल तो यह है कि किसी को भी ऐसा बोलते क्यों दिखाया जाए? क्या लोकप्रियता हासिल करने का यही एक तरीका बचा है? देशवासियों के मन में सेना और खुफिया एजेंसियों के प्रति बहुत सम्मान की भावना होती है। अगर कोई व्यक्ति यह सोचकर परिवार के साथ उस सीरीज को देखने बैठ जाए कि इससे देशप्रेम की भावना मजबूत होगी तो उसे बहुत धक्का लगेगा।

यह मामला किसी एक वेब सीरीज के साथ नहीं जुड़ा है, बल्कि अब तो ऐसी सामग्री की बौछार हो चुकी है। चूंकि बच्चे भी अपना मनपसंद कार्यक्रम देखना चाहते हैं। जब वे कोई सामग्री ढूंढ़ते हैं तो इस बात की काफी आशंका होती है कि उसका स्तर उनके अनुकूल न हो। कई घरों में मां-बाप कामकाजी होते हैं। वहां बच्चे दोपहर को स्कूल से आने के बाद ओटीटी मंच को खंगालते हैं। उस दौरान उन्हें यह बताने वाला कोई नहीं होता कि यहां बहुत-सी चीजें आपके लिए ठीक नहीं हैं। इन सीरीजों में अमर्यादित दृश्यों के साथ हिंसक दृश्यों की भी भरमार देखने को मिलती है। उनके ऐसे संवाद लोगों की जुबान पर चढ़ रहे हैं, जिनमें अश्लीलता भरी हुई है। स्कूलों-कॉलेजों के कई बच्चे आपसी बातचीत में उन्हें दोहराते हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर किया जाता है, गोया यह कोई बहादुरी का काम हो! ऐसी सामग्री देखने से बच्चों का ज़ेहन कैसा होगा? प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि ओटीटी तो वही दिखा रहा है, जो समाज में हो रहा है। वास्तव में यह कुतर्क है। सिनेमा, साहित्य, मीडिया और इस तरह के अन्य माध्यमों की जिम्मेदारी इतनेभर से खत्म नहीं हो जाती कि जो हो रहा है, वह दिखा दिया। उन्हें समाज को सही दिशा भी दिखानी होती है। अगर कोई माध्यम कोरी नकारात्मकता को लाकर लोगों के सामने परोसता रहे तो वह खुद उसमें भागीदार हो जाता है। समाज में चोरी, रिश्वतखोरी, हत्या, धोखाधड़ी आदि को बुरा क्यों समझा जाता है? इसलिए कि ये कृत्य सभ्य समाज के लिए खतरनाक हैं। ये नैतिकता के विरुद्ध हैं। हमें बचपन से सिखाया जाता है कि ये बुरे काम हैं। अगर किसी देश में बुराई का महिमा-मंडन हो, बुरे काम करने वाले को हीरो की तरह पेश किया जाए तो क्या वहां सभ्य समाज का अस्तित्व हो सकता है? बिल्कुल नहीं, क्योंकि बच्चों को जो सिखाया जाता है, जो दिखाया जाता है, वे उसे ग्रहण करते हैं और एक दिन वैसा ही बनने की कोशिश करते हैं। इसलिए ओटीटी जैसे माध्यमों को मर्यादित करना जरूरी है। वहां आपत्तिजनक व अभद्र सामग्री पेश करने की छूट बिल्कुल नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

गदर पार्टी के संस्थापक सदस्य, महान स्वाधीनता सेनानी लाला हरदयाल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उनकी क्रांतिकारी सोच ने देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित कर आम जनमानस को स्वाधीनता संग्राम के लिए प्रेरित किया था।

-योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट पर आक्षेप लगने के बाद आवंटित भूमि को लौटाने का जो निर्णय लिया है, वह स्पष्ट रूप से प्रमाणित करता है कि सत्ता का दुरुपयोग करके भूमि को हड़पने का कार्य कर्नाटक में सर्वोच्च रूप से हो रहा था।

-सुधांशु त्रिवेदी

राज्य सभा से पूर्व सांसद श्री ज्ञान प्रकाश पिलानिया जी के निधन का समाचार जानकर दुःख हुआ। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पिलानिया परिवार के साथ है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें, तथा शोक संतप्त परिजनों व प्रशंसकों को संबल प्रदान करें।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

भक्ति द्वारा दुर्व्यसनों से मुक्ति

दक्षिण भारत की महिला संत औवैयार बचपन में ही अनाथ हो गई थीं। एक सदगृहस्थ संत ने, उनका पालन-पोषण किया। अपने धर्मपिता के भक्ति गीतों ने औवैयार को भगवत भक्ति की प्रेरणा दी। दस वर्ष की आयु होते ही वे भी भक्ति गीतों की रचना करने लगीं। अपने इष्ट देवता विघ्नेश्वर की पूजा-उपासना में लीन रहतीं। कठोर तप और साधना के बल पर उन्हें अलौकिक सिद्धि प्राप्त हुई। वे बीमार लोगों को जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधि देतीं और सात्विक जीवन जीकर निरोगी बनने की प्रेरणा देतीं। लोगों को सदाचार का उपदेश देतीं। एक बार वे किसी गृहस्थ के द्वार पर भिक्षा मांगने पहुंचीं। उन्होंने देखा कि पति-पत्नी एक-दूसरे को कटु वचन कह रहे हैं। गृहस्वामी उन्हें पहचान गया और उनसे भोजन ग्रहण करने की प्रार्थना करने लगा। संत ने कहा, 'तुम दोनों भविष्य में न लड़ने का संकल्प लो और प्रेम से रहना सीखो, मैं तभी भोजन करूंगी। क्रोध में आकर अपशब्द कह देने वाले का भोजन मेरी बुद्धि को भ्रष्ट कर देगा।' दोनों ने उनके चरणों में गिरकर क्रोध त्यागने का संकल्प लिया। संत औवैयार ने असंख्य व्यक्तियों को दुर्व्यसनों से मुक्त कराकर धर्म के मार्ग पर चलाया।

सामयिक

कब भुखमरी एवं भूखे लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।' आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादी को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है। अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

मुद्दा

लाइक-कमेंट के चक्कर में मौत की रील

सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है। बच्चे अपने माता-पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है, उसमें रील बना रहे हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल : 9466526148

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। भारत में टिकटॉक पर बैन लगने के बाद रील्स और मीस बनाने का चलन सामने आया। इसके बाद लोग इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने लगे। रील्स में इंफॉर्मेशनल, फनी, मोटिवेशनल और डांस समेत कई तरह के वीडियो होते हैं। रील्स एक तरह का इंस्टाग्राम पर शॉर्ट वीडियो होता है। शुरुआत में यह रील्स 30 सेकंड का होता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 90 सेकंड का कर दिया है। रील बनाने का युवाओं के बीच ऐसा क्रेज आजकल है कि वह कहीं भी रील बनाने लग जाते हैं। कई बार इस रीलबाजी के चक्कर में लोग अपना ही नुक़सान भी करा बैठते हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के शगल के कारण युवा ज़िन्दगी में रील बनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कब यह शौक सनक की हद तक पहुँच जाता है, पता ही नहीं चलता। नियमों को ताक पर रखकर रील बनाने के जुनून में जान तक गंवा देते हैं। शहर में ही युवाओं को फ़ेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक, फ्लाई ओवर पर, चलती रेल में कोच के डिब्बे के बीच खड़े होकर या बाइक चलाते हुए रील बनाते देखा जा सकता है।

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में ख़ुद के साथ-साथ कई बार दूसरों तक की जान से खिलवाड़ कर डालते हैं।

लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक-चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना।

रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज़्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य-व्यंग्य, खान-पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है। रील्स की बजाय अपने दोस्तों के साथ समय गुजारें मॉर्निंग वॉक के साथ व्यायाम करने में समय बिताएंरील्स देखने के कारण बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखेंबच्चों के सामने कम से कम मोबाइल का इस्तेमाल करेंबच्चों को वक़्त दें, उनसे पारिवारिक बातें करें।

फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए टेलेंट होना बहुत ज़रूरी है। यदि आपके अंदर टेलेंट है तो फॉलोअर्स अपने आप ही बढ़ जाएंगे। यदि युवा ट्रैक पर खड़े होकर रील बना रहे है तो बहुत ग़लत है। इससे दूसरे बच्चों पर भी ग़लत असर पड़ेगा। रील बनाने वालों के साथ उनकी वीडियो देखने वालों की भी मूर्खता है। इनका विरोध करना चाहिए। युवा जल्दी फेमस होने के लिए रील बना रहे हैं, जोकि बहुत ग़लत है। मैं कई जगह रेलवे ट्रैक और फ्लाई ओवर पर रील बनाते हुए युवाओं को देखता हूँ। उन्हें रील बनानी है तो सबसे पहले सुरक्षित जगह चुनें। बच्चे रेलवे ट्रैक या फिर रिस्क वाली जगह पर रील बना रहे हैं तो माता-पिता को इन पर निगरानी रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक-दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है।

बच्चे अपने माता-पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है उसमें रील बना रहे हैं। रिस्क भी ज़्यादा लेते हैं। ऐसे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की ज़रूरत है। युवाओं के साथ-साथ अब छोटे बच्चों में भी मोबाइल पर रील्स बनाने की आदत होने लगी है। बच्चे घर पर अकेले रहते हैं सोशल मीडिया का अट्रैक्शन है। सबको अच्छा लगता है कि उन्हें लोग पसंद करे, तारीफ करें। इससे बचने का यही उपाय है कि बच्चों को मोबाइल का प्रयोग कम करने दे। मोबाइल देखते समय बड़े उनके साथ ही रहें, जिससे वह कुछ ग़लत ना कर सके।

नजरिया

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा पंडालों में कट्टरपंथी अराजकता का तांडव

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ क्रूरता पूर्ण अमानवीयता में कोई कमी नहीं आई है। शेख हसीना के सत्ताच्युत हो जाने के बाद से इन में असामान्य रूप से वृद्धि हुई है। बांग्लादेश में इस साल शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजा समारोहों से जुड़ी लगभग 35 अप्रिय घटनाएं सामने आई हैं, जिसके बाद सत्रह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लगभग एक दर्जन मामले भी दर्ज किए गए हैं जबकि वास्तव में ऐसी वारदातों की तादाद की गुना अधिक है जिन्हें बांग्लादेश के प्रशासन ने दर्ज नहीं किया है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब एक दिन पहले पता चला कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उपहार में दिया गया एक मुकुट दुर्गा पूजा समारोहों के बीच बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी सतखीरा जिले में एक हिंदू मंदिर से चोरी हो गया था, जिस पर भारत ने चिंता व्यक्त की थी। पांच दिवसीय हिंदू धार्मिक उत्सव बुधवार को देवी दुर्गा के आह्वान के साथ शुरू हुआ, जिसे महा षष्ठी कहा जाता है। समारोह का समापन रविवार को देवी दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन के साथ होगा। बता दें कि अल्पसंख्यक हिंदू बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा हैं। हिंदुओं को 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के निष्कासन के बाद भड़की छात्र-नेतृत्व वाली हिंसा के दौरान अपने व्यवसायों और संपत्तियों की बर्बरता और मंदिरों के विनाश का सामना करना पड़ा।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एमडी मोइनुल इस्लाम ने कहा कि 1 अक्टूबर से देश भर में चल रहे दुर्गा पूजा समारोह से संबंधित 35 घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण 11 मामले दर्ज किए गए हैं। इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में बनानी पूजा मंडप का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि देश भर में 32000 से अधिक मंडपों में दुर्गा पूजा मनाई जा रही है। भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के अलावा मुकुट बरामद करने का आग्रह किया। आईजीपी इस्लाम ने आश्वासन दिया कि पुलिस के पास घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों का रिकॉर्ड है और आरोपी को सजा मिलकर रहेगी।बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के मौके पर अनेक अप्रिय घटनाएं देखने को मिली हैं। ढाका में शुक्रवार को दुर्गा पूजा पंडाल पर पेट्रोल बम फेंका गया। घटना में एक शख्स घायल हुआ। वहीं चैटोग्राम में एक दुर्गा पूजा पंडाल में इस्लामिक गाना बजाया गया, जिसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। 7 लोगों पर मुकदमा हुआ है।

आपको बता दें कि बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ढाका ट्रिब्यून' ने बांग्लादेश में इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस मोहम्मद मोइनुल इस्लाम के हवाले से दुर्गा पूजा समारोह के दौरान दर्ज की गई 35 अप्रिय घटनाओं का उल्लेख किया। मोहम्मद इस्लाम ने शुक्रवार को ढाका में बनानी पूजा मंडप का दौरा किया था, जिसके बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि हिंदू अल्पसंख्यकों के पर्व पर पूजा-समारोहों की सुरक्षा की जाएगी। देश में 32,000 से अधिक मंडपों में दुर्गा पूजा समारोह आयोजित किया गया है।' मोहम्मद इस्लाम का बयान ऐसे समय में आया है, जब 2 दिन पहले ही पता चला था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बांग्लादेश के मंदिर में चढ़ाया गया स्वर्ण मुकुट दुर्गा पूजा समारोह के दौरान चुरा लिया गया। स्वर्ण मुकुट चोरी होने की घटना से बांग्लादेश हिंदू दुखी हो गए। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से गुहार लगाई। इस घटना पर भारत सरकार ने भी चिंता व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और सतखीरा में प्रतिष्ठित जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना की निंदा करते हुए बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उस बयान को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, बांग्लादेश में पूजा मंडप पर हमले और हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने तथा उन्हें क्षति पहुंचाने पर हमारा बयान में विदेश मंत्रालय के इस बयान में बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हुए हमले और चोरी की निंदा करते हुए, बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश के कानून प्रवर्तन अधिकारियों से घटना की जांच करने, चोरी की गई वस्तु को बरामद करने और दोषियों को सजा दिलाने का आग्रह किया गया है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचेंगे जयशंकर

लाहौर (पाकिस्तान)/भाषा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचने वाले हैं। पिछले कई वर्षों से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में जारी तनाव के बीच भारत की ओर से पाकिस्तान की यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी।

अधिकारियों ने बताया कि इस्लामाबाद पहुंचने के तुरंत बाद विदेश मंत्री जयशंकर एससीओ सदस्य देशों के स्वागत के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मेजबानी में आयोजित स्वागत भोज में शामिल होंगे। दोनों पक्षों ने एससीओ शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच किसी भी द्विपक्षीय वार्ता से इनकार किया है।

करीब नौ साल बाद यह पहला मौका है जब भारत के विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा करेंगे, जबकि कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में अब भी बर्फ जमी हुई है।

ऐसी सूचना है कि जयशंकर पाकिस्तान में 24 घंटे से भी कम

समय रुकेंगे। पाकिस्तान एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है जो 15 और 16 अक्टूबर को होगी।

पाकिस्तान की यात्रा करने वाली भारत की आखिरी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थीं। उन्होंने अफगानिस्तान पर एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दिसंबर 2015 में इस्लामाबाद की यात्रा की थी।

पाकिस्तान ने एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अगस्त में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न्योता दिया था। जयशंकर की पाकिस्तान की यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसे भारत की ओर से एक अहम निर्णय के रूप में देखा जा रहा है।

एक कार्यक्रम में अपने हालिया संबोधन में जयशंकर ने कहा था, ''किसी भी पड़ोसी देश की तरह भारत निश्चित रूप से पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहेगा। लेकिन यह सीमापार आतंकवाद को नजरअंदाज करके और ऐसी (सीमा पार आतंकवाद खत्म करने की) इच्छा करने से नहीं हो सकता।''

इस सम्मेलन के लिए वरिष्ठ मंत्री को भेजने का फैसला एससीओ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के लड़ाकू विमानों द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर बमबारी के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में जबरदस्त तनाव आ गया था।

श्रीलंका में भारी बारिश से तीन लोगों की मौत, कोलंबो में स्कूल बंद किए गए

कोलंबो/भाषा

श्रीलंका के 12 जिलों में खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और भारी बारिश के कारण 1,25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आ गई तथा सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए अतिरिक्त पांच करोड़ रुपए आवंटित करने का निर्देश दिया है।

प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना तथा सेना के जवान तैनात किए गए हैं। श्रीलंका में आठ अक्टूबर से भारी बारिश हो रही है। पिछले दो दिन में कुछ जिलों में 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई और तेज हवाएं चलीं जिससे कई क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सोमवार को दोपहर 12 बजे जारी पूर्वानुमान में अगले 24 घंटों में देश भर के कई इलाकों में 100 मिमी से अधिक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि सोमवार सुबह तक 1,25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि हजारों लोगों को 80 से अधिक अस्थायी आश्रय स्थलों में पहुंचा गया है। डीएमसी ने बताया कि अब तक तीन मौतों की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों ने अत्यधिक वर्षा और बाढ़ के कारण सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूल बंद कर दिए।

समारोह

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को पटना में एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी (महिला) 2024 की 'ट्रॉफी गौरव यात्रा' के ध्वजारोहण समारोह के दौरान।

कैंसर से जूझ रहीं हिना खान, पलक तक के बाल झड़े

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस हिना खान कैंसर जैसी भयानक बीमारी के असहनीय दर्द से जूझ रही हैं। इस बीमारी के कारण बालों के बाद उनकी पलकें भी झड़ गई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने उन्होंने अपनी आंख पर बचे एक पलक के बाल की फोटो शेयर की और अपने फैन्स से प्रार्थना करने को कहा। उनके इस पोस्ट पर उनके फैंस के साथ-साथ नेटिजन्स ने भी उनकी बहादुरी को सलाम किया है। एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी पलक के आखिरी बालों की तस्वीर पोस्ट करते हुए अपने कैंसर के दर्द को बयां किया है। हिना खान ने पलक

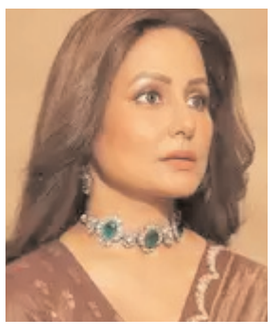

के बाल को लेकर लिखा कि यह एक वक्त खूबसूरत ब्रिगेड का हिस्सा था, जो मेरी आंखों को सुंदर बनाती थी। मेरी लंबी और सुंदर पलकें यह बहादुर, अकेली योद्धा मेरी आखिरी पलक, जिसने मेरे साथ बहुत कुछ लड़ा है। कोई ना सब ठीक हो जाना है। उन्होंने यह कहकर सांत्वना दी कि बीमारी से लड़ने की प्रेरणा उनकी पलक के बचे हुए बाल ही हैं। उन्होंने फैंस से प्रार्थना करने के लिए भी लिखा है। हिना ने इस साल जुलाई में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने कैंसर निदान का खुलासा किया था। हिना खान ने लिखा था, सभी को नमस्कार, हाल की अफवाहों को संबोधित करने के लिए, मैं उन सभी के साथ कुछ महत्वपूर्ण समाचार शेयर करना चाहती हूं, जो मुझसे प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं। मुझे स्टेज तीन स्तन कैंसर का पता चला है।

'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम 3' दोनों फिल्में करेंगी अच्छा प्रदर्शन : कार्तिक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन का कहना है कि दीवाली पर एक साथ रिलीज होने वाली भूल भुलैया 3 और सिंघम 3 दोनों फिल्में अच्छा प्रदर्शन कर सकती हैं। कार्तिक आर्यन, विद्या बालन ,तृप्ति डिमरी और माधुरी दीक्षित स्टारर भूल भुलैया 3, 01 नवंबर को दीवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसी अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण और अर्जुन कपूर जैसे सितारों से सजी फिल्म सिंघम अगेन भी रिलीज होने वाली है। दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे से क्लैश कर रही है।भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के क्लैश होने पर कार्तिक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कार्तिक आर्यन ने कहा, दीवाली बहुत बड़ा हॉलिडे है। मुझे लगता है दो फिल्में आराम से चल सकती है सिंघम अगेन का एक्शन जॉनर है, हमारा कॉमेडी जॉनर है।

अभी यहां पर दीवाली के अवसर पर दो फिल्में आ रही है, जिसका मुझे लगता है कि दोनों फिल्मों का फैंस बेसबी से इंतजार कर रही है।मुझे लगता है कि मैं एक फिल्म देखने वाले के तौर पर बात करूं तो हम सभी के लिए यह एक तरह का त्योहार है कि उस दिन हमारे पास दो ऑप्शन आ रहे हैं, जो आजकल हमारी इंडस्ट्री में बहुत कम हो रहा है। दोनों ही फिल्मों के अच्छा करने की गुंजाइश है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अल्जीरिया में भारतीय समुदाय के लोगों से की बातचीत

अल्जीयर्स (अल्जीरिया)/भाषा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और भारतीय समाज ने हमेशा विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और मान को बढ़ाने में भारतीय समुदाय की भूमिका को महत्व दिया है।

मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में रविवार शाम अल्जीयर्स पहुंचीं। यह भारतीय

राष्ट्रपति द्वारा अफ्रीका के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए किया गया पहला दौरा है। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने से मुलाकात करेंगी। मुर्म भारतीय कंपनी शापूरजी पलोंजी द्वारा निर्मित किंग अब्दुल्ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र का दौरा भी कर सकती हैं। इससे पहले रविवार शाम को राजधानी अल्जीयर्स पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने भारतीय समुदाय से बातचीत की। राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में कहा गया, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि अल्जीरिया में भारतीय समुदाय भारत के हितों को आगे बढा रहा है। मुर्मू ने अपने भाषण में कहा, 1.4 अरब भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से हम आशाओं और आकांक्षाओं की एक नई यात्रा पर चल रहे हैं, भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

फिल्म 'दो पत्ती' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और कृति सैनन की आने वाली फिल्म दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित मर्डर मिस्ट्री दो पत्ती में काजोल और कृति सैनन की अहम भूमिका है। फिल्म दो पत्ती,उत्तराखंड के काल्पनिक शहर देवीपुर पर आधारित है।काजोल इस फिल्म में एक पुलिसकर्मी की भूमिका में है जो एक हत्या के प्रयास के मामले में सच्चाई को उजागर करने के मिशन पर है। फिल्म दो पत्ती का निर्माण कनिका ढिल्लों और कृति सेनन ने किया है। इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। 'दो पत्ती' कृति के होम प्रोडक्शन 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' की पहली फिल्म है। फिल्म दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कृति इस फिल्म में जुड़वा बहनों की दोहरी भूमिका में नजर आयेंगी। इस फिल्म में शहीर शेख और तन्वी आजमी भी अहम भूमिका है।यह फिल्म 25 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

वेब सीरीज 'आदि शंकराचार्य' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आर्ट ऑफ लिविंग ने अपनी पहली वेब सीरीज 'आदि शंकराचार्य' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह प्रोडक्शन आदि शंकराचार्य के प्रारंभिक वर्षों की कहानी प्रस्तुत करेगा, जिसमें वे भारत भर में यात्रा करते हुए आध्यात्मिक नैतिकताओं और परंपराओं को पुनर्जीवित करते हैं। सीज़न 1 में 10 एपिसोड होंगे। प्रत्येक एपिसोड लगभग 40 मिनट लंबा और आदि शंकराचार्य के जीवन के पहले आठ वर्षों पर आधारित होंगे।

इस प्रोजेक्ट के बारे में निर्देशक ओंकार नाथ मिश्रा ने बताया कि यह सीरीज महान आदि शंकराचार्य को समर्पित है, जिनकी बुद्धिमत्ता, ज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति ने इस राष्ट्र को आकार दिया। जब भारत 300 से अधिक राज्यों में बंटा हुआ था, उस समय आदि शंकराचार्य ने देशभर में यात्रा की और इसे सनातन धर्म के ध्वज तले एकजुट किया। उनका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण में योगदान अतुलनीय है और हम उनकी कहानी को आधुनिक दर्शकों के स्वर में जीवंत करना चाहते हैं। यह सीरीज 1 नवंबर से आर्ट ऑफ लिविंग ऐप पर उपलब्ध होगी जो इस महान राष्ट्रीय नायक की प्रेरणादायक जीवन की कहानी को विश्वभर के दर्शकों तक पहुंचाएगी।

फिल्म 'बेबी जॉन' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और जैकी श्राफ की फिल्म बेबी जॉन का टीजर रिलीज हो गया है। एक्शन से भरपूर 'बेबी जॉन' में वरुण धवन मुख्य भूमिका में है, जबकि जैकी श्रॉफ नेगेटिव रोल में दिखाई देंगे।जैकी श्रॉफ के किरदार का नाम 'बब्बर शेर' है। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बेबी जॉन' का टीजर शेयर किया है। टीजर में जैकी श्रॉफ खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं।उनके किरदार के लंबे भूरे बाल है, जबकि उन्होंने अपने हाथों में अंगूठियां और गले में जंजीर पहन रखी है।वीडियो में वह जेल में बंद दिखाई देते हैं और उनके खून से सने हाथ में एक हथियार दिखता है। वरुण धवन ने टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, उस अंधेरे से मिलने के लिए तैयार हो जाओ, जिसके बारे में आपने कभी नहीं सोचा था। बब्बर शेर आपके लिए आ रहा है। फिल्म 'बेबी जॉन' का निर्देशन कलीस ने किया है। कीर्ति सुरेश इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इसके अलावा इस फिल्म में वामिका गब्बी और राजपाल यादव भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'बेबी जॉन' को जियो स्टूडियो ने एटली और सिने1 स्टूडियो के साथ मिलकर बनाया है।'बेबी जॉन' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'वेट्टैयन' ने पहले वीकेंड पर 81 करोड़ की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' ने अपने पहले वीकेंड में तीन दिनों में भारतीय बाजार में 81 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयी है।

इस फिल्म को फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार 'वेट्टैयन' ने रिलीज के पहले दिन 31.7 करोड़, दूसरे दिन 24 करोड़ और तीसरे दिन 26.1 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस इस फिल्म ने भारतीय बाजार में 81 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा राणा दग्गुबाती, फहद फाजिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य सितारे शामिल हैं। इस फिल्म में संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है।

अपने खास दोस्तों संग समय बिताती दिखीं मृणाल ठाकुर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों उत्तराखंड में शूटिंग कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसमें उन्हें उनके नए दोस्त के साथ देखा जा सकता है। मृणाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सेट पर अपने पेट्स के साथ खेलती हुई नजर आईं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में 2011 में आई रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म रॉकस्टार से ए.आर. रहमान और मोहित चौहान के गाने नादान परिंदे को बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर इस्तेमाल किया। पोस्ट पर कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, मम्मा क्या मैं इन नादान परिंदे को घर ले जा सकती हूं ???? प्लीज प्लीज प्लीज।'' मृणाल की आगामी फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। आईफा के 24वें संस्करण में अभिनेत्री ने बताया था कि यह एक रोमांटिक फिल्म है। बता दें कि मृणाल की कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। जल्द ही बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। मृणाल वरुण धवन संग कॉमेडी फिल्म और पूजा मेरी जान भी दिखेंगी। 32 वर्षीय अभिनेत्री ने 2012 में टेलीविजन शो मुझसे कुछ कहती है...ये खामोशियां से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने अर्जुन, कुमकुम भाग्य जैसे शो में काम किया है और नच बलिए 7 में भी भाग लिया है। मृणाल शोभिता धुलिपाला, अर्जुन माथुर, जिम सर्भ, शशांक अरोड़ा, कल्कि कोचलिन, शिवानी रघुवंशी और मोना सिंह अभिनीत वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 का भी हिस्सा थीं। उन्होंने सुपर 30, बाटला हाउस, धमाका, सीता रामम, हाय नन्ना, जर्सी, पिप्पा और द फैमिली स्टार जैसी कई प्रसिद्ध फिल्मों में अभिनय किया है। हाल ही में वह प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण अभिनीत साइंस-फिक्शन थ्रिलर कल्कि 2898 एडी में दिव्या के किरदार में नजर आई थी। निर्देशन नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज ने किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 15-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

परमात्मा ने आत्म तत्व को प्रकट करने के लिए जो मार्ग अपनाया, वह अति कठिन था। आज दूसरों की प्रशंसा करना कठिन है लेकिन स्वयं की प्रशंसा करना उतना ही सरल है। परमात्मा ने तप साधना की लेकिन अपने समीप रहे। जो धर्म में स्थिर हैं, मोक्ष पाना चाहता है, ऐसे मनुष्य को इससे बढ़कर त्याग करना कोई बाधा नहीं है। जो वीतरागी है, उनके भीतर चैतन्य रहता है। इस प्रकार आर-पार के संसार को जानकर सबसे सुरक्षित कर लिया।

सिद्ध परमात्मा हमारी साधना का मूल है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में सोमवार को नवपद के द्वितीय सिद्ध पद के गुणों की व्याख्या, आराधना ध्यान के माध्यम से हुई। आत्मा 8 कर्मों ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गौत्र, अंतराय कर्मों के क्षय से आत्मा मुक्त होने पर सिद्ध बनती है।

नमो सिद्धाणं पद की ध्यान के माध्यम से व्याख्या करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि यह अंतिम, पूर्ण अवस्था है। केवली दो प्रकार के होते हैं। एक जिनका तीर्थंकर नाम कर्म का उदय है और दूसरे वे, जो केवली बने हैं, जिन्होंने अपनी साधना का उद्देश्य प्राप्त कर लिया। जिनके लिए अभी कुछ भी करना शेष नहीं रहा। सिद्ध परमात्मा समानता के महान् आदर्श है। उस लक्ष्य को पाने वाले हे सिद्ध परमात्मा! आपको नमन, वंदन है। आपके अनंत- अनंत उपकार है मेरे पर। मैं मनुष्य योनि को प्राप्त कर सका, वह आपका पुण्य प्रताप है। आपने सिद्ध पद को प्राप्त किया। इस संसार का प्रत्येक प्राणी, जो अव्यवहार राशि निगोद से बाहर आया, वह कितना पुरुषार्थ किया आपने। इस शुद्ध रूप को प्रकट

करने के लिए आपका पुरुषार्थ वंदनीय है। इस शुद्ध रूप को प्रकट करने के बाद चंद्र सी सौम्य हम सभी के हृदय को शीतलता प्रदान करने वाली अवस्था है। वह आपका आत्म स्वरूप है जो अष्ट गुणों की संपदा से संपन्न हैं। जिसके आगे देव लोक का वैभव भी तुच्छ, नगण्य है।

उन्होंने कहा अनंतज्ञान, अनंतदर्शन, अनंतशक्ति, आपकी यह अवस्था सारे कर्मों के क्षय से हुई। ज्ञानावरणीय कर्म नष्ट हुआ तो ज्ञान प्राप्त हुआ, मोहनीय नष्ट हुआ तो सम्यक्त्व प्रकट हुआ, आयुष्य कर्म नष्ट हुआ तो अमोल प्राप्त हुआ, गौत्र कर्म के क्षय होने से अगुरु, लघु नष्ट हुआ, नाम कर्म से अमूर्त, निराकार रूप प्रकट हुआ। आपने अनंत गुणों को प्रकट कर शुद्ध अवस्था को पाकर अमृत को प्राप्त हुए। अनंत रत्न तक यह अवस्था अक्षुण्ण है। सुख, वैभव आयुष्य पूर्ण होने के बाद छूट जाती है लेकिन अपना अनंत- अनंत काल का वैभव प्रत्येक भव्य आत्मा के लिए आदर्श है। प्रत्येक भव्य आत्मा का लक्ष्य एकमात्र सिद्ध पद की प्राप्ति हैं।

आपके उपकार से प्रत्येक अऋणी हो सकता है, जब वह साधना द्वारा सिद्ध पद को प्राप्त करे। जब सिद्ध पद को प्राप्त करेगा तो अव्यवहार राशि के अनंत जीवों में एक जीव संसार का भ्रमण करेगा और सिद्ध पद की ओर अग्रसर होगा। आपने जब अंतिम पार्थिव शरीर को छोड़ा, आप उर्ध्व लोक के उच्च स्थान पर पहुंच गए। इस लोक के आगे कोई गति नहीं है। सिद्धशिला, जो पृथ्वी के जितनी आकार की है, उसके ऊपर लोकांत में अमोल सिद्ध का वास है। शरीर, अन्तिम शरीर के आकार से एक तिहाई आपके आत्म प्रदेश पिंडलोक बनकर वहां स्थित होते हैं लेकिन वे अमूर्त, निराकार है। अमूर्त यानी जो किसी के लिए बाधा नहीं बने, जिसमें एक आत्मा में अनंत आत्माएं स्थिर हो सकती है। आपका नमन नमो सिद्धाणं से करते हैं जो पंच परमेष्ठि में दूसरा पद है। इस पद का स्मरण प्रत्येक प्राणी के भीतर उत्साह जगाने वाला, लक्ष्य तक पहुंचने की ऊर्जा प्रदान करने वाला है। सिद्ध पद का स्मरण लाल रंग के साथ विशेष रूप से आराधकों को लाभ देने वाला है। जब मन में निराशा हो, हतोत्साहित हो तो नमो सिद्धाणं पद का जप, ध्यान पुनः उत्साह से भरने वाला है। भीतर में आए निराशा के बादलों को हटाने वाला, नई रोशनी देने वाला है। आपका कृतज्ञ हूं कि मैं यहां तक पहुंचा हूं। मैं सौभाग्यशाली हूं जो आपको श्रवण करने, समझने का मौका मिला। यह हमारे आचार्यों की हमारे ऊपर रही महत्ती कृपा है। जितनी नमो सिद्धाणं से परमात्मा के प्रति कृतज्ञता को प्रकट करते जाएंगे, अशुभ कर्मों की निर्जरा होती जाएगी। उन्होंने कहा नमो सिद्धाणं प्रत्येक व्यक्ति को उसके अधूरे कार्यों को पूरा करने की शक्ति, सामर्थ्य, संकल्प देने वाला यह पद है। प्रत्येक साधक को अपनी साधना को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला है यह पद। मैं साधना से क्या हासिल करुंगा, ये विचार, विकल्प आए तो सिद्ध स्वरूप को मानस पटल पर लाएं। सामान्य प्रयोजनों में कोई रुकावट हो, नकारात्मकता चारों ओर गिरी हुई हो तो यह सिद्ध पद सहज में उसे तोड़ने वाला है। सिद्ध परमात्मा हमारे फाइनल डेस्टिनेशन है, हमारी साधना का आलंबन है, हमारी साधना का मूल है। हमारे जीवन की शुरुआत, साधना पर कदम बढ़ाने का सामर्थ्य सिद्ध परमात्मा से आए। हम सिद्ध परमात्मा के स्वरूप को समझकर जान सकते हैं। जितना समय हम साधना में दें, जितनी सिद्ध पद की भक्ति करें, उतनी हमारे कार्यों की सिद्धि अविलंब होती है। हमारे अन्तर में रहे हुए कर्मों के आवरण को हटाकर सिद्ध बुद्ध को प्रकट करें। यह आराधना सिद्ध पद पर पहुंचने में सहायक बने, यही मंगल कामना। इस दौरान सिकंदराबाद, इंदौर आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

खेतेश्वर महिला मंडल द्वारा घूमर नृत्य के साथ गरबा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महानगर में साहुकारपेट क्षेत्र के समुद्र मुदली स्ट्रीट स्थित खेतेश्वर भवन में खेतेश्वर महिला मंडल द्वारा चल रहें शारदीय नवरात्रि महोत्सव के नौ दिनों तक चलने वाले गरबा एवं डांडिया रास का रविवार को घुमर नृत्य एवं इनामी ड्रॉ के साथ समापन हुआ। बगसिंह राजपुरोहित बागरा ने बताया कि महोत्सव को लेकर आध्य शक्ति जगतजननी मां दुर्गा कि उपासना के महापर्व शारदीय नवरात्री के समापन पर राजपुरोहित समाज कि महिलाओं व बालिकाओं द्वारा खेतेश्वर भवन में नौ दिनों तक गरबा एवं डांडिया रास का आयोजन हुआ व समापन के अवसर पर घुमर नृत्य का आयोजन हुआ जिसमें समाज कि महिलाओं व बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नवरात्रि के दौरान चले गरबा एवं डांडिया रास में महिलाओं एवं बालिकाओं ने अपनी परम्परागत नई नई वेशभूषा व आभूषणों में सजधज कर आकर घूमर पर जमकर नृत्य किया। गरबा के अंतिम दिन रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हुआ जिसमें 9 दिनों तक सराहनीय गरबा खेलने वाले भाग्यशाली विजेताओं को मंडल कि ओर से पुरस्कार व ड्रॉ के माध्यम से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

'विजेता बनें' कार्यशाला का हुआ आयोजन

स्वयं को जीतने वाला बड़ा विजेता : मुनि दीप कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहांआचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमार के सान्निध्य में 'विजेता बनें' कार्यशाला का आयोजन जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा किया गया।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा दुर्जेय संग्राम में दस लाख योद्धाओं को जितने की अपेक्षा जो अपने आपको जीत लेता है वह परम विजयी, बड़ा विजेता होता है। जिनका संकल्प बल मिट्टी के गोले के समान मजबूत होता है वह हारी बाजी को भी जीत में बदल देता है। जीतने के लिए क्या-चाहिए? जीत का विश्वास ,जीत के प्रति निष्ठाऔर लगातार चेष्ठा। किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल करने लिए पूर्व तैयारी करना ना भूलें।अपने उद्देश्य, योजनाएं और प्रगति को को प्रकट करने में जल्दबाजी न करें। उन्हे तब तक छिपाएं जब तक जीत हासिल न करलें।

मुनिश्री ने आगे कहा- आज विजयदशमी पर राम ने रावण पर विजय हासिल की। श्रीराम की विजय असत्य पर सत्य को विजय है, बुराई की अच्छाई पर विजय है। अपने में जल्दबाजी न कर लें। विजयादशमी पर श्रीराम ने रावण की विजय असत्य पर सत्य की विजय है, बुराई पर अच्छाई की विजय है। हम दुवृत्तियों रुपी रावण पर विजय प्राप्त कर राममय बन जाएं। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि विजय मनुष्य की स्वाभाविक आकांक्षा है। विजय के लिए लक्ष्य का निर्धारण जरूरी है। विल पावर को बढ़ाना होगा और निरन्तर कोशिश करना होता है तभी विजेता बना जा सकता है। सभा अध्यक्ष देवी चन्द मण्डोत ने सभी बाहर से पधारे मेहमानों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन आभार व्यक्त किया।

राजस्थानी संघ में हुआ गरबा और डांडिया रास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां राजस्थानी संघ के नवरात्रि महोत्सव में सभी प्रवासियों द्वारा देवी दुर्गा माता की भक्ति की गई गरबा, डांडिया और देवी का पूजन हुआ। रविवार को देर शाम तक चले इस आयोजन में सबका स्वागत संघ के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने किया। राजस्थानी संघ के मीडिया कमेटी के चेयरमैन किशोर कुमार जैन ने बताया कि शहर में प्रवासियों का सबसे पुराना और बड़ा सामाजिक संगठन है राजस्थानी संघ में जिसमें लगभग 3 हजार के करीब सदस्य हैं।

रविवार को देर शाम नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष पारसमल जैन, सचिव विकास नाकोड़ा जैन कोषाध्यक्ष विक्रम सालेचा, सह सचिव प्रकाश माली, सह कोषाध्यक्ष अशोक कुमार राजपुरोहित, पूनम पारेख और कार्यकारणी सदस्यों ने मिलकर दीप प्रज्वलित कर भजन और आरती में भाग लिया। बहुत दिनों के बाद पहली बार संघ के सदस्यों द्वारा सभी सदस्यों के लिए धार्मिक अनुष्ठान का मौका मिला। इससे सब समुदाय के लोगों में भाईचारा बढ़ेगा। महिलाओं और बच्चों ने डांडिया की प्रस्तुति दी वहीं रात्रि 8 से 11 बजे तक पुरुषों ने डांडिया में भाग लिया।

डॉ. दिलीप धींग को प्रथम अमर श्रुत सेवा सम्मान

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक राजस्थानश्री डॉ. दिलीप धींग को गुरु अमर श्रुत सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। प्रवर्तक अमरमुनि के संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में यह सम्मान अखिल भारतीय गुरु अमर संयम अमृत वर्ष महोत्सव समिति द्वारा प्रदान किया जाएगा। डॉ. वरुणमुनि ने बताया कि श्रुताचार्य अमरमुनि की प्रेरणा से प्राकृत भाषा के जैन आगमों का हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद के साथ पहली बार सचित्र प्रकाशन हुआ। उनकी स्मृति में प्रथम सम्मान के लिए श्रुतसेवी डॉ. दिलीप धींग का चयन गौरवपूर्ण है। समिति के चेयरमैन महेन्द्र जैन (दिल्ली) ने बताया कि जैन विद्या विषयक पत्र-पत्रिकाओं में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाले बहुपठित साहित्यकार डॉ. धींग द्वारा लिखित व संपादित छह दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। प्राकृत में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त डॉ. धींग को अनेक प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं। जैन दर्शन, हिंदी साहित्य, अहिंसा व शाकाहार के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान है। सम्मान समारोह श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान एवं उपप्रवर्तक पंकजमुनि की निश्रा में 6 नवंबर, ज्ञान पंचमी को बेंगलूरु में होगा।

अविस्मरणीय रहा तंडियारपेट दुर्गा पूजा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के तंडियार पेट में तंडियारपेट दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन, भाजपा के नॉर्थ चेन्नै जिला के अध्यक्ष एम कृष्ण कुमार और साहित्यकार ईश्वर करुण को सम्मानित किया गया। यह पूजा इसलिए भी विशेष है कि अय्यप्पा स्वामी के मंदिर के प्रांगण में आयोजित होती है और आनेवाले श्रद्धालु माता दुर्गा के साथ-साथ अय्यपन स्वामी की भी पूजा आरती करते हैं। गत पिछले 18 वर्षों से आयोजित इस दुर्गापूजा के मुख्य यजमान अमरनाथ मिश्रा और संतोष सिंह ने मांत्रिक विधि-विधान से पूजा का आयोजन किया। मुख्य पुरोहित मिथिला से आमंत्रित किए गए थे।

दुर्गापूजा में लाल धोती-पीली धोती और बिहार की पहचान विशेष गमछा और पाग का प्रयोग उल्लेखनीय रहा।

रक्तदान शिविर — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कोयम्बटूर में समता विभूति,स्मृति शेष आचार्य नानालाल जी म.सा. के 25वें पुण्य स्मृति दिवस एवं वर्तमान आचार्यश्री रामलाल जी म.सा. के आचार्य पदारोहण दिवस 20 अक्टूबर कार्तिक बदी तृतीय के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर अ. भा. सा. जैन समता युवा संघ ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसी कड़ी में कोयंबटूर में आयोजित शिविर में कुल 21 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

भारतीय समाज की टूट रही है आस्तिकता : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य के मन में सही मार्ग के प्रति दृढ़ श्रद्धा और उसका अनुसरण दोनों दुर्लभ होते हैं। अक्सर लोग इधर-उधर की मान्यताओं में भटकते रहते हैं। आज हमें अपने धर्म और संस्कृति की महान् परंपराओं से पतित करने वाले सैकड़ों निमित्त मिल रहे हैं। भटकने के इन निमित्तों से बचना अत्यंत आवश्यक है। लुभावने प्रलोभनों और चमत्कारों से प्रभावित होकर आज बड़ी मात्रा में जैन और हिन्दू समाज भटकता जा रहा है। धर्मश्रद्धा की कमी, ज्ञान का अभाव और इहलौकिक कामनाएं पथभ्रष्टता के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। समाज को प्रबुद्ध बनने की जरूरत है।जहां-तहां मांगते फिरने से वरदान मिल जाएंगे और मनोकामनाएं पूरी हो जाएगी, यह सोच ही घोर अज्ञानता है। केवल अपने आराध्य के प्रति भक्ति, विश्वास और समर्पण होना चाहिए। बदलने, भटकने और मांगने से मन कभी तृप्त नहीं होगा और जीवन का कल्याण नहीं होगा। भगवान महावीर ने कहा है कि श्रद्धा ही मनुष्य को पार उतरती है।

ज्ञान के बिना जीवन की साधना अधूरी : साध्वीश्री धर्मप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में नवपद आयंबिल ओली आराधना के छठवें दिवस पर साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि ज्ञान स्व-पर प्रकाशक है। ज्ञान के बिना जीवन की साधना-आराधना अधूरी है। ज्ञान से विवेक, वैगम्य जागृति और सही दिशा में मागे बढ़ने की गह प्राप्त होती है। गुरु हमारे अनान अर्थकार को मिटाते है और हमारे जीवन को प्रकाश-स्तम्भ के समान जान की सम्यक रोगनी से हमारे जीवन को नान की आभा से आलौकित कर देते हैं। सम्यक जान का आराधक दृढ़ सम्यक को प्राप्त करता है और सम्यक चारित्र का पालन करते हुए अपने कदम परम पद मुक्ति मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ाता है। व्याधक आत्मा सम्यकज्ञान के आराधक बने और अपने जीवन में विवेक यतनापूर्वक प्रवृत्ति करते हुए हर प्रकार की आशातना-विराधना से बचने का प्रयास करे। श्रीपाल चरित्र का वांचन करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि सिंह के साथ वन में रुकना श्रेष्ठ है, गहरे पानी में डूब जाना श्री ठीक है, हाथ में बिच्छू, कनखजूरे को मुट्ठी में बांधता और सर्प के मुंह में अंगुली डालना केवल यहीं तक ही नहीं इसके आगे भी हलाहल जहर का विषपान कर लेना, भूत-प्रेत के साथ नृत्य-नाच कर लेना भी ठीक है। प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के बारहवें हरिकेशीय नामक अध्ययन पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि हसन हरिकेशी मुनि ने अपने पूर्व भव में अपने जाति एवं रूप का मद अहंकार करने के कारण उनका जन्म चांडाल कुल में हुआ और उन्हें कुरूप, शरीर मिला और स्वभाव से भी कोची उग्र स्वभाव वाले बनें। हरिकेशीमुनि ने ब्राह्मणों की सद्ये यज्ञ और सद्ये स्नान का स्वरूप समझाते हुए तप को अग्नि, जीव को ही अग्निकुण्ड मन, वचन काया योग कुड़छियाँ, शरीर यनभूमि कर्म को ईधन के समान और संयम-चारित्र की साधना प्रवृत्ति की शांति पाठ के समान बताया। वहीं आध्यात्मिक यज्ञ के लिए सभी व्रतों में महान कठोर ब्रह्मचर्य तप को शान्ति तीर्थ के समान बताया। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने अतिथि को सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.